पुणा International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Class-VI

Hindi

Specimen copy

Year- 2022-23

Semester- 2

अनुक्रमणिका

क्रम नंबर	महिना	पाठ / कविता का नाम
1	अक्तूबर	➢ **कविता-10= झाँसी की रानी** व्याकरण = क्रिया लेखन -विभाग = निबंध ➢ **पाठ-11= जो देखकर भी नहीं देखते** व्याकरण = क्रिया-विशेषण लेखन -विभाग = संवाद लेखन ➢ बाल रामायण = पाठ -7,8 ➢ **पाठ -12 संसार पुस्तक है** व्याकरण – मुहावरे और लोकोक्तियाँ लेखन विभाग- अनुच्छेद
2	नवम्बर	➢ **कविता-14 लोकगीत** व्याकरण = अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लेखन-विभाग- कहानी लेखन ➢ बाल रामायण =पाठ -9,10
3	दिसम्बर	➢ **पाठ-15 नौकर** व्याकरण = विराम-चिह्न लेखन = पत्र-लेखन ➢ **पाठ-17 साँस साँस में बाँस** व्याकरण = अशुद्ध वाक्य लेखन = सूचना ➢ बाल रामायण =पाठ- 11 , 12

कविता-10 झाँसी की रानी

- सुभद्रा कुमारी चौहान

➢ कविता का सार

प्रस्तुत कविता में कवयित्री ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई द्वारा दिखाए गए अदम्य शौर्य का उल्लेख किया है। उस युद्ध में लक्ष्मीबाई ने अपनी अद्भुत युद्ध कौशल और साहस का परिचय देकर बड़े-बड़े वीर योद्धाओं को भी हैरान कर दिया था। उनकी वीरता और पराक्रम से उनके दुश्मन भी प्रभावित थे। उन्हें बचपन से ही तलवारबाज़ी, घुड़सवारी, तीरंदाजी और निशानेबाज़ी का शौक था।
वह बहुत छोटी उम्र में ही युद्ध-विद्या में पारंगत हो गई थीं। अपने पति की असमय मृत्यु के बाद उन्होंने एक कुशल शासक की तरह झांसी का राजपाट संभाला तथा अपनी अंतिम सांस तक अपने राज्य को बचाने के लिए अंग्रेजों से अत्यंत वीरता से लड़ती रहीं। उनके पराक्रम की प्रशंसा उनके शत्रु भी करते थे।

➢ कठिन शब्द

1) भृकुटी	2) सत्तावन
3) बिसात	4) सुभट
5) कृतज्ञ	6) उदित
7) डलहौजी	8) विषम
9) व्यूह	10) सन्मुख
11) आराध्य	12) पुलकित

➢ शब्दार्थ

1- भृकुटी- आँख के ऊपर के बाल, भौंह
2- सत्तावन- स्तुति करने की क्रिया, भाव
3- पुलकित- प्रेम, हर्ष
4- व्यूह- पंक्ति, झुंड
5- आराध्य- पूजनीय
6- सुभट- बड़ा योदधा
7- विरुदावलि- बड़े व्यक्ति के गुण
8- उदित- प्रकाशित
9- डलहौजी- अंग्रेज का नाम
10- हरषाया- खुश होना
11- अश्रुपूर्ण- आँसुओ से भरा हुआ
12- बिसात- जमा पूँजी
13- विषम- विचित्र, अनोखा
14- वेदना- पीड़ा
15- सन्मुख- सामने
16- कृतज्ञ- सुखद

➢ बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

(क) 'झाँसी की रानी' कविता किसने लिखी है?
(i) लक्ष्मीबाई **(ii) सुभद्रा कुमारी चौहान**
(iii) सुमित्रानंदन पंत (iv) केदारनाथ अग्रवाल

(ख) रानी लक्ष्मीबाई किसकी मुँहबोली बहन थी?
(i) अजीमुल्ला खाँ (ii) अहमदशाह
(iii) कुँवर सिंह **(iv) नाना धुंधूपंत पेशवा**

(ग) कवयित्री ने झाँसी की रानी की कथा किसके मुँह से सुनी थी?
(i) मराठों के **(ii) बुंदेलों के**
(iii) अपने अध्यापक के (iv) कवियों के

(घ) नाना साहब कहाँ के रहने वाले थे?
(i) इलाहाबाद (ii) झाँसी
(iii) कानपुर (iv) ग्वालियर

(ङ) लक्ष्मीबाई का प्रिय खेल था?
(i) नकली युद्ध करना (ii) व्यूह की रचना करना, शिकार करना
(iii) सैन्य घेरना, दुर्ग तोड़ना **(iv) उपर्युक्त सभी**

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. महल में खुशी का कारण क्या था?
उत्तर- विवाह के बाद रानी लक्ष्मीबाई का महल में आना खुशी का प्रमुख कारण था।

प्रश्न 2. डलहौज़ी प्रसन्न क्यों था?
उत्तर- क्योंकि नि:संतान राजा गंगाधर राव की मृत्यु होने पर झाँसी का अधिकार स्वतः ही अंग्रेज़ी सरकार को मिल जाना था इसलिए डलहौज़ी प्रसन्न था।

प्रश्न 3. ब्रिटिश सरकार ने झाँसी के दुर्ग पर झंडा क्यों फहराया?
उत्तर- क्योंकि वहाँ के राजा नि:संतान मृत्यु को प्राप्त हुए।

प्रश्न 4. अंग्रेज़ों ने भारत के किन-किन क्षेत्रों पर अधिकार कर लिया था?
उत्तर- अंग्रेजों ने भारत के कई हिस्सों पर अधिकार कर लिया था। उनमें से प्रमुख हैं-दिल्ली, लखनऊ, बिहार, नागपुर, तंजौर, सतारा, कर्नाटक, सिंध, पंजाब, मद्रास आदि।

प्रश्न 5. रानियों और बेगमों की क्या दशा थी?
उत्तर- वे परेशान थीं, क्योंकि उनके कपड़े और गहने खुलेआम बाजारों में बेचे जा रहे थे।

➢ लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. झाँसी की रानी के जीवन से हम क्या प्रेरणा ले सकते हैं?

उत्तर- झाँसी की रानी के जीवन से हम देश के लिए मर मिटने, स्वाभिमान से जीने, विपत्तियों से न घबराने, साहस, दृढ़ निश्चय, नारी अबला नहीं सबला है आदि की प्रेरणा ले सकते हैं।

प्रश्न 2 भारतीयों ने अंग्रेजों को दूर करने का निश्चय क्यों किया था?

उत्तर- भारत कई सौ वर्षों तक गुलाम रहा। इस कारण यहाँ के लोग स्वतंत्रता के महत्त्व को भूल गए थे। इस आंदोलन से उन्हें स्वतंत्रता का महत्त्व को समझ में आ गया। उन्होंने यह भी महसूस किया कि फिरंगी धीरे-धीरे अपने साम्राज्य का विस्तार कर रहे हैं। इस कारण भारतीयों ने अंग्रेज़ों को दूर भगाने का निश्चय किया।

प्रश्न 3 ऐसी कौन-सी विशेषताएँ थीं जिनके कारण मराठे लक्ष्मीबाई को देखकर पुलकित हुए?

उत्तर- रानी लक्ष्मीबाई वीर और साहसी नारी थीं उन्हें युद्ध कला में महारथ हासिल थी। नकली युद्ध व्यूह की रचना करना, खूब शिकार खेलना, सेना घेरना और दुर्ग तोड़ना उनके प्रिय खेल थे। लक्ष्मीबाई की इन विशेषताओं को देखकर मराठे बहुत पुलकित होते थे।

व्याकरण

क्रिया की परिभाषा

जिस शब्द के द्वारा किसी कार्य के करने या होने का बोध होता है उसे क्रिया कहते है।

जैसे- पढ़ना, खाना, पीना, जाना इत्यादि।

'क्रिया' का अर्थ होता है- करना। प्रत्येक भाषा के वाक्य में क्रिया का बहुत महत्त्व होता है।

अली पुस्तक पढ़ रहा है।
बाहर बारिश हो रही है।
बाजार में बम फटा।
बच्चा पलंग से गिर गया।

1) अकर्मक क्रिया- अकर्मक क्रिया का अर्थ होता है, कर्म के बिना या कर्म रहित। जिन क्रियाओं को कर्म की जरूरत नहीं पडती और क्रियाओं का फल कर्ता पर ही पड़ता है, उन्हें अकर्मक क्रिया कहते हैं।

जैसे - तैरना, कूदना, सोना, उछलना, मरना, जीना, रोना, हँसता, चलता, दौड़ता, होना, खेलना,

उदहारण -

(i) वह चढ़ता है।
(ii) वे हंसते हैं।
(iii) नीता खा रही है।
(iv) पक्षी उड़ रहे हैं।
(v) बच्चा रो रहा है।

2) सकर्मक क्रिया- सकर्मक का अर्थ होता है, कर्म के साथ या कर्म सहित। जिस क्रिया का प्रभाव कर्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़ता है उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं। अथार्त जिन शब्दों की वजह से कर्म की आवश्यकता होती है उसे सकर्मक क्रिया होती है।

जैसे -

(i) वह चढाई चढ़ता है।
(ii) मैं खुशी से हँसता हूँ।
(iii) नीता खाना खा रही है।
(iv) बच्चे जोरों से रो रहे हैं।

लेखन-विभाग

निबंध

दशहरा (विजयदशमी)

रूपरेखा

1. भूमिका, आस्था का प्रतीक
2. मनाने की तिथि या समय
3. मनाने के कारण (पौराणिक कथा)
4. मनाने का ढंग या रूप
5. उपसंहार

भूमिका

समय-समय पर भारत के त्योहार आकर हमें कोई न कोई संदेश अथवा प्रेरणा देते रहते हैं। ये त्योहार हमारे प्राचीन गौरव के प्रतीक हैं। इन त्योहारों के आधार पर ही हम अपनी प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति से जुड़े रहते हैं। भारत के विभिन्न त्योहारों में दशहरा भी एक विशेष त्योहार है जो विजयदशमी के नाम से भी प्रसिद्ध है। त्योहार मनाने का समय- दशहरे का पर्व आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी के दिन आता है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रथमा से नवरात्र आरंभ होते हैं। नवरात्र नौ दिन तक चलते हैं, इन नौ दिनों में मंदिरों में दुर्गा पूजा की जाती है। नवमी के बाद दशमी को दशहरे का पर्व मनाया जाता है।

पौराणिक कथा

प्रत्येक त्योहार या पर्व को मनाने के पीछे कुछ न कुछ कारण अवश्य होता है। विजयदशमी का पवित्र दिन श्री राम कथा से जुड़ा है। इसी दिन राजा दशरथ के पुत्र श्री राम ने लंका के अत्याचारी राक्षसराज रावण का वध किया था। रावण के साथ श्री राम ने समस्त अत्याचारियों का विनाश किया और तभी से संपूर्ण देश में रामराज्य स्थापित हो गया था। इसी घटना की याद में यह त्योहार विशेष रूप से हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा धूमधाम से मनाया जाता है। बंगाल में इसे दुर्गा-पूजा के रूप में मनाया जाता है।

मनाने का रूप या ढंग

दशहरा पर्व से ठीक दस दिन पहले से उत्तर भारत में स्थान-स्थान पर श्री रामकथा (रामलीला) का आयोजन प्रारंभ हो जाता है। रामलीला रात्रि आठ बजे से शुरू की जाती है जो ग्यारह तक नियमित रूप से चलती है। रामलीला देखने गाँव-गाँव से शहर-शहर से विशाल जनसमूह उमड़ पड़ता है। इन्हीं दिनों स्थान-स्थान पर रामचरितमानस का पाठ भी दोहराया जाता है। लोग घर पर नवरात्रों के दिन व्रत रखते हैं और नौ दिन तक माँ दुर्गा की पूजा करते

हैं। बंगाल में माँ दुर्गा की जिन प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना की जाती है, उन्हें विजयदशमी के दिन नदी या समुद्र में विसर्जित कर दिया जाता है। इसी दिन श्री राम, लक्ष्मण, सीता तथा समस्त वानर-दल की आकर्षक झाँकियाँ निकाली जाती हैं। एक बड़े तथा खुले मैदान में लोग रावण, मेघनाद तथा कुंभकरण के बड़े-बड़े पुतले बनाते हैं। श्रीराम के रूप में एक व्यक्ति इन पुतलों पर अग्नि बाणों की वर्षा करता है। इन पुतलों में बहुत पटाखे होने के कारण वे फट-फट की आवाज करके धीरे-धीरे समाप्त हो जाते हैं। बच्चे इस प्रकार का दृश्य देखकर फूले नहीं समाते।

प्रेरणा

समाज के क्षत्रिय लोग इस दिन अपने अस्त्र-शस्त्रों की पूजा करते हैं। व्यापारी लोग इस दिन को अत्यंत शुभ मानते हैं। विजयदशमी का त्योहार हमें प्रेरणा देता है कि धर्म की अधर्म पर, सत्य की असत्य पर, अच्छाई की बुराई पर सदा जीत होती है।

उपसंहार

इस दिन हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम जीवन में सत्य, धर्म और अच्छाई के मार्ग पर चलते रहेंगे और श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारने का प्रयास करेंगे।

- **गतिविधि-** रानी लक्ष्मीबाई का चित्र बनाए अथवा लगाए |

रामबाल- कथा
पाठ-7 सोने का हिरण

प्रश्न- सोने का हिरण कौन बना था?
उत्तर- सोने का हिरण मारीच बना था ।
प्रश्न- राम को कुटिया से निकलते देख कर मायावी हिरण ने क्या किया?
उत्तर- राम को कुटिया से निकलते देख कर मायावी हिरण कुलाचें भरने लगा ।
प्रश्न- हिरण किस प्रकार चालाक था?
उत्तर -हिरण चालाक था क्योंकि वह इतनी दूर कभी नहीं जाता था कि वह राम के पहुँच से बाहर हो जाए ।
प्रश्न- राम ने लक्ष्मण को क्या आदेश दिया था?
उत्तर- राम ने लक्ष्मण को उनके लौटने तक सीता की रक्षा का आदेश दिया था ।
प्रश्न- सीता क्या सुनकर विचलित हो गई?
उत्तर - सीता मायावी पुकार सुनकर विचलित हो गई ।

प्रश्न- लक्ष्मण के जाते ही कौन आ पहुँचा?
उत्तर - लक्ष्मण के जाते ही रावण आ पहुँचा ।
प्रश्न- रावण किस वेश में आया था?
उत्तर - रावण तपस्वियों के वेश में आया था ।
प्रश्न- रावण ने सीता के किन गुणों की प्रशंसा की?
उत्तर - रावण ने सीता के स्वरुप, संस्कार और साहस की प्रशंसा की ।
प्रश्न- रावण सीता को लेकर सीधे कहाँ गया?
उत्तर - रावण सीता को लेकर सीधे अपने अंतःपुर में गया।
प्रश्न- मारीच हिरण के रूप में क्यों भागता रहा?
उत्तर- मारीच हिरण के रूप में राम को कुटिया से दूर ले जाने के लिए भागता रहा ।
प्रश्न- राम ने लक्ष्मण को क्या आदेश दिया था?
उत्तर- राम ने लक्ष्मण को उनके लौटने तक सीता की रक्षा का आदेश दिया था ।
प्रश्न- सीता क्या सुनकर विचलित हो गई?
उत्तर -सीता मायावी पुकार सुनकर विचलित हो गई ।

प्रश्न- सीता को विचलित देख लक्ष्मण ने उनसे क्या कहा?
उत्तर - लक्ष्मण ने सीता से कहा कि राम संकट में हो ही नहीं सकते हैं । उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। हमने जो आवाज़ सुनी है, वह बनावटी है ।
प्रश्न- सीता क्रोध से क्यों उबल पड़ी?
उत्तर- सीता क्रोध से इसलिए उबल पड़ी क्योंकि राम की पुकार सुन कर भी लक्ष्मण शांत खड़े रहे ।
प्रश्न- सीता जी किसे -किसे अपनी सूचना रामजी तक पहुँचाने को कह रहीं थीं?
उत्तर - सीता जी पशुओं, पक्षियों, पर्वतों, नदियों से अपनी सूचना रामजी तक पहुँचाने को कह रहीं थीं ।
प्रश्न- क्रोधित रावण ने जटायु के साथ क्या किया?
उत्तर- क्रोधित रावण ने जटायु के पंख काट दिए ।
प्रश्न- रावण ने कितने राक्षसों को राम और लक्ष्मण की निगरानी के लिए भेजा था?
उत्तर - रावण ने आठ सबसे बलिष्ठ राक्षसों को राम और लक्ष्मण की निगरानी के लिए भेजा था।

पाठ-11 जो देखकर भी नहीं देखते
- हेलेन केलर

➢ पाठ का सार

प्रस्तुत पाठ लेखिका हेलेन केलर द्वारा लिखा गया प्रेरक लेख है। जो स्वयं दृष्टिहीन और बधिर थी। इस पाठ के द्वारा उन्होंने मनुष्यों को अपना जीवन बेहतर बनाने की प्रेरणा दी है।लेखिका की सहेली कुछ दिन पहले जंगल की सैर कर आई थी। लेखिका ने जानना चाहा कि उसने जंगल में क्या देखा परन्तु उसने बताया कि कुछ खास नहीं। लेखिका को ऐसे उत्तर सुनने की आदत हो गई थी। इसलिए उन्हें अपनी सहेली के जवाब पर आश्चर्य नहीं हुआ। लेखिका को लगता था कि कोई इतना घूमकर भी विशेष चीजें कैसे नहीं देख सकता, जबकि वो दृष्टिहीन होते भी सब कुछ देख लेती है।

लेखिका रोजाना सैकड़ों चीजों को छूकर पहचान लेती थी। लेखिका केवल स्पर्श मात्र से ही भोजपत्र की चिकनी छाल, चीड़ की खुरदरी छाल, वसंत में खिली कलियाँ तथा फूलों की पंखुड़ियों की मखमली सतह को पहचान लेती थी। अपनी अँगुलियों के बीच बहते पानी को महसूस करने में उन्हें आनंद मिलता था। बदलता मौसम उनके जीवन में खुशियाँ भर देता जब चीजों को छूने मात्र से ही उन्हें इतनी खुशी मिलती थी यदि वे इन सब चीजों को देख पाती तो वे उन मैं खो ही जाती।

लेखिका के अनुसार जिनकी आँखें होती है वे लोग बहुत ही कम देखते हैं। वे प्रकृति को लेकर असंवेदनशील होते हैं। मनुष्य के पास जिस चीज की भी कमी होती है उसे वह पाने के लिए लालायित रहता है। ईश्वर से प्राप्त दृष्टि को मानव एक साधारण वस्तु समझकर उसका उचित प्रयोग करता ही नहीं है। परन्तु यदि इसी चीज का उचित प्रयोग किया जाय तो जीवन में इन्द्रधनुषी रंग भरे जा सकते हैं।

➢ कठिन शब्द

1) अचरज
2) विश्वास
3) प्रकृति
4) कालीन
5) संवेदना
6) रोचक
7) दृष्टि

➢ शब्दार्थ

1- परखना- जाँचना, देखना
2-जंगल- वन
3- अचरज- हैरानी, आश्चर्य
4- विश्वास- भरोसा
5- रोचक- दिलचस्प, आनंददायक
6- प्रकृति- स्वभाव
7- कालीन- गलीचा
8- दृष्टि- नज़र
9- संवेदना- सहानुभूति
10- भोज-पत्र- एक विशेष प्रकार की वृक्ष की छाल

➢ बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

(क) "जो देखकर भी नहीं देखते' पाठ के लेखक कौन हैं?
(i) प्रेमचंद (ii) सुंदरा स्वामी
(iii) जया विवेक **(iv) हेलेन केलर**

(ख) हेलेन केलर प्रकृति की चीजों को किस प्रकार पहचानती हैं?
(i) देखकर (ii) सुंघकर
(iii) छूकर (iv) दूसरों से उसका वर्णन सुनकर

(ग) लेखिका को किसमें आनंद मिलता है?
(i) लोगों से बात करने में
(ii) प्रकृति को निहारने में
(iii) फूलों की पंखुड़ियों को छूने और उसकी घुमावदार बनावट को महसूस करने में

(घ) लेखिका किसके स्वर पर मंत्रमुग्ध हो जाती है?
(i) कोयल के (ii) मैना के
(iii) मोर के **(iv) चिड़िया के**

(ङ) इनमें किस पेड़ की छाल चिकनी होती है?
(i) चीड़ **(ii) भोज-पत्रे**
(iii) पीपल (iv) बरगद

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1- लेखिका के कानों में किसके मधुर स्वर गूंजने लगते थे?
उत्तर- लेखिका के कानों में चिड़ियों के मधुर स्वर गूंजने लगते थे।

2- लेखिका को प्रकृति के जादू का अहसास कब होता है?
उत्तर- फूलों की पंखुड़ियों की मखमली सतह छूने और उनकी घुमावदार बनावट महसूस करने से लेखिका को प्रकृति के जादू का अहसास होता है।

3- इस दुनिया के लोग कैसे हैं?
उत्तर- इस दुनिया के अधिकांश लोग संवेदनहीन हैं। वे अपनी क्षमताओं की कद्र करना नहीं जानते।

4- हेलेन केलर अपने मित्रों की परीक्षा क्यों लेती है?
उत्तर- हेलेन केलर अपने मित्रों की परीक्षा यह परखने के लिए लेती है कि वे क्या देखते हैं।

5-लेखिका को झरने का पानी कब आनंदित करता है?
उत्तर- लेखिका जब झरने के पानी में अँगुलियाँ डालकर उसके बहाव को महसूस करती है, तब वह आनंदित हो उठती है।

➢ लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1- लेखिका को किस काम से खुशी मिलती है?

उत्तर- लेखिका को प्राकृतिक वस्तुओं को स्पर्श करने में खुशी मिलती है। वह चीज़ों को छूकर उनके बारे में जान लेती है। यह स्पर्श उसे आनंदित कर देता है।

2- मनुष्य का स्वभाव क्या है?

उत्तर- मनुष्य अपनी क्षमताओं की कदर नहीं करता। वह अपनी ताकत और अपने गुणों को नहीं पहचानता। वह नहीं जानता कि ईश्वर ने उसे आशीर्वाद स्वरूप क्या-क्या दिया है और उसका उपयोग नहीं कर सकता है। मनुष्य केवल उस चीज़ के पीछे भागता रहता है, जो उसके पास नहीं है। यही मनुष्य का स्वभाव है।

3- इस पाठ से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

उत्तर- इस पाठ से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि जीवन में जीने के लिए मनुष्य के पास जो साधन उपलब्ध हो उनसे संतुष्ट रहना चाहिए।

व्याकरण

➢ **क्रिया- विशेषण** -वह शब्द जो हमें क्रियाओं की विशेषता का बोध कराते हैं, वे शब्द क्रिया-विशेषण कहलाते हैं।

- दुसरे शब्दों में - जिन शब्दों से क्रिया की विशेषता का पता चलता है, उन शब्दों को हम क्रिया-विशेषण कहते हैं। जैसे - हिरण तेज़ भागता है।
- इस वाक्य में भागना क्रिया है। तेज़ शब्द हमें क्रिया कि विशेषता बता रहा है कि वह कैसे भाग रहा है। अतः तेज़ शब्द क्रिया-विशेषण है।

क्रिया-विशेषण के भेद

1) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण - जिन अविकारी शब्दों से क्रिया के व्यापार के स्थान का पता चले उसे स्थानवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।

जैसे - यहाँ, वहाँ, कहाँ, जहाँ, सामने, नीचे, ऊपर, आगे, भीतर, बाहर, दूर, पास, अंदर, किधर, इस ओर, उस ओर, इधर, उधर, जिधर, दाएँ, बाएँ, दाहिने आदि।

उदाहरण -

(i) बच्चे ऊपर खेलते हैं।

(ii) अब वहाँ अकेला मजदूर था।

(iii) तुम बाहर बैठो।

(iv) वह ऊपर बैठा है।

2) कालवाचक क्रिया-विशेषण - जिन अविकारी शब्दों से क्रिया के व्यापार के समय का पता चलता है, उसे कालवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।

जैसे - आज, कल, परसों, पहले, अब तक, अभी-अभी, लगातार, बार-बार, प्रतिदिन, अक्सर, बाद में, जब, तब, अभी, कभी, नित्य, सदा, तुरंत, आजकल, कई बार, हर बार आदि।

उदाहरण -

(i) आज बरसात होगी।

(ii) राम कल मेरे घर आएगा।

(iii) वह कल आया था।

(iv) तुम अब जा सकते हो।

3) परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण - जिन अविकारी शब्दों से क्रिया के परिमाण और उसकी संख्या का पता चलता है, उसे परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।

जैसे - बहुत, अधिक, पूर्णतया, कुछ, थोडा, काफी, केवल, इतना, उतना, कितना, थोडा-थोडा, एक-एक करके, जरा, खूब, बिलकुल, ज्यादा, अल्प, बड़ा, भारी, लगभग, क्रमशः आदि।

उदाहरण -

(i) अधिक पढो।

(ii) ज्यादा सुनो।

(iii) कम बोलो।

(iv) अधिक पियो।

4) रीतिवाचक क्रियाविशेषण - जिन अविकारी शब्दों से क्रिया की रीति या विधि का पता चलता है, उसे रीतिवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।

जैसे - सचमुच, ठीक, अवश्य, कदाचित, ऐसे, वैसे, सहसा, तेज, सच, झूठ, धीरे, ध्यानपूर्वक, हंसते हुए, तेजी से, फटाफट आदि।

उदाहरण -

(i) अचानक काले बादल घिर आए।

(ii) हरीश ध्यान पूर्वक पढ़ रहा है।

(iii) रमेश धीरे -धीरे चलता है।

(iv) वह तेज भागता है।

लेखन-विभाग

संवाद लेखन

दो मित्रों के बीच वार्षिकोत्सव पर संवाद लेखन -

अर्जुन - अंकुर! आज तुम विद्यालय क्यों नहीं जा रहे हो? समय तो हो गया है।
अंकुर - मित्र! आज दोपहर के बाद हमारे विद्यालय का वार्षिकोत्सव होना है। इसलिए मैं देर से जाउंगा।
अर्जुन - आज तुम्हारे विद्यालय में उत्सव हैं तब तो वहां बड़ी रौनक होगी। उत्सव का प्रबंध कौन कर रहा है?
अंकुर - उत्सव के प्रबंध के लिए कुछ छात्र-छात्राएं तथा शिक्षक वहां उपस्थित हैं।

अर्जुन - चलो मित्र! हम दोनों चलते हैं। मुझे भी विद्यालय का समारोह देखना है।
(दोनों मित्र विद्यालय जाते हैं)

अंकुर - (विद्यालय पहुंचकर) यह हमारा विद्यालय है। यहाँ उत्सव की तैयारी में शिक्षकों के साथ अन्य कर्मचारी तथा कुछ छात्र-छात्राएं लगे हुए हैं।

अर्जुन - ऐसा लगता है की समारोह प्रारम्भ होने वाला है। आज उत्सव का कैसा कार्यक्रम है?

अंकुर - आज अनेक प्रकार का कार्यक्रम है। कुछ छात्र-छात्राएं गीत गायेंगे, कुछ अभिनय करेंगे तथा कुछ खेलों का प्रदर्शन करेंगे। फिर पुरस्कारों का वितरण होगा। अंत में सभाध्यक्ष का भाषण भी होगा।

अर्जुन - क्या सभापति तुम्हे भी पुरस्कार देंगे?

अंकुर - मैं वार्षिक परीक्षा में अपनी कक्षा में प्रथम आया था, मुझे भी पुरस्कार मिलेगा।
(थोड़ी देर बाद समारोह प्रारम्भ हो जाता है। दोनों दोस्त बैठ जाते हैं।)

- **गतिविधि – प्रकृति का चित्र बनाए |**

बाल- रामायण
पाठ- 8 सीता की खोज

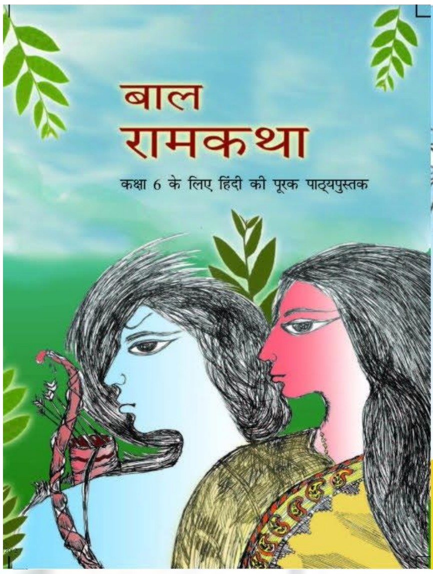

प्रश्न- राम लक्ष्मण से क्यों क्रोधित थे?

उत्तर - राम लक्ष्मण से इसलिए क्रोधित थे क्योंकि लक्ष्मण सीता को अकेला छोड़ कर राम को ढूंढ़ने के लिए निकल गए थे।

प्रश्न- राम की बेचैनी क्यों बढ़ गई?

उत्तर - जब राम के पुकारने पर भी कुटिया से सीता की कोई आवाज़ नहीं आई तो राम की बेचैनी बढ़ गई।

प्रश्न- विरह में राम ने सीता का पता किस-किस से पूछा?

उत्तर- विरह में राम ने सीता का पता गोदावरी नदी, पंचवटी के एक-एक वृक्ष, हाथी, शेर, फूलों, पथरों और चट्टानों से पूछा ।

प्रश्न- सीता को वन में ढूँढ़ते हुए राम क्या देख कर असमंजस में पड़ गए?

उत्तर- टूटे हुए रथ के टुकड़े, मृत घोड़े और मारा हुआ सारथी को वन में देखकर राम असमंजस में पड़ गए।

प्रश्न- रथ के पास राम को सीता की कौन सी वस्तु मिली?

उत्तर - राम को रथ के पास पुष्पमाला मिली जो सीता ने वेणी में गूँथ रखा था।

प्रश्न- जटायु की अंतिम क्रिया किसने की?

उत्तर - जटायु की अंतिम क्रिया राम ने की।

प्रश्न- कबंध ने राम से क्या आग्रह किया?

उत्तर - कबंध ने राम से आग्रह किया कि उसका अंतिम संस्कार राम करें।

प्रश्न- वानरराज सुग्रीव कहाँ रहते थे?

उत्तर - वानरराज सुग्रीव पंपा सरोवर के निकट ऋष्यमूक पर्वत पर रहते थे।

प्रश्न- पंपा सरोवर के पास किसका आश्रम था?

उत्तर - पंपा सरोवर के पास मतंग ऋषि का आश्रम था।

प्रश्न- शबरी कौन थी और वो कहाँ रहती थी?

उत्तर - शबरी मतंग ऋषि की शिष्या थी और वह मतंग ऋषि के आश्रम में ही रहती थी।

प्रश्न- हिरणों ने किस प्रकार सीताजी के बारे में रामजी को संकेत दिया?

उत्तर- हिरणों ने सिर उठाकर आसमान की ओर देखा और दक्षिण दिशा की ओर भाग गए। रामजी हिरणों का संकेत समझ गए।

प्रश्न- जटायु ने सीता के बारे में कौन सी महत्वपूर्ण सूचना दी थी?
उत्तर - जटायु ने सीता के बारे में यह महत्वपूर्ण सूचना दी थी कि रावण सीता जी को दक्षिण पश्चिम दिशा की ओर ले गया है।
प्रश्न- शबरी किसकी प्रतीक्षा में थी और क्यों?
उत्तर- शबरी राम की प्रतीक्षा में थी क्योंकि मतंग ऋषि ने सबरी को बताया था कि एक दिन राम आश्रम जरूर आएँगे।
प्रश्न- शबरी ने राम की आवभगत किस प्रकार की?
उत्तर- शबरी ने राम की सेवा की । उन्हें मीठे फल दिए और रहने की जगह दी।

पाठ- 12 संसार पुस्तक है
- जवाहरलाल नेहरु

➢ पाठ का सार

प्रस्तुत पाठ में जवाहरलाल नेहरू अपने पत्र के माध्यम से दुनिया और छोटे देशों के बारे में अपनी पुत्री को बताना चाहते थे। जवाहरलाल नेहरू इलाहाबाद में थे और उनकी दस वर्षीय पुत्री इंदिरा मसूरी में थीं। जवाहरलाल नेहरू अपनी बेटी इंदिरा से कहते हैं कि तुमने इंग्लैण्ड और हिन्दुस्तान के विषय में इतिहास में पढ़ा होगा। इंग्लैण्ड एक टापू है और जबकि हिन्दुस्तान दुनिया का एक बड़ा देश है, फिर भी दुनिया का एक छोटा हिस्सा है। यदि इंदिरा को दुनिया का हाल जानना है तो उन्हें दुनिया की सब जातियों को जानना होगा, न केवल उस देश का जिसमें वे पैदा हुई हैं।इन छोटे-छोटे पत्रों के माध्यम से उसके पिता केवल उसे थोड़ी ही बातें बता सकते हैं। लेकिन फिर भी इन पत्रों के माध्यम से वे जान पाएँगी कि दुनिया एक है और हम सभी भाई-बहन है। यह धरती करोड़ों वर्ष पुरानी है। पहले धरती पर कोई जानदार चीज नहीं थी। वैज्ञानिकों ने यह साबित किया कि धरती के गरम होने के कारण किसी भी जीव का विकास संभव नहीं था। बाद में धीरे-धीरे धरती पर जीवन का विकास आरंभ हुआ। पहाड़, समुद्र, सितारे, नदिया, जंगल, जानवरों की पुरानी हड्डियों आदि से दुनिया का पुराना इतिहास जाना जा सकता है। जब धरती पर मनुष्य नहीं था तो दुनिया का पुराना इतिहास कौन लिखता। इसलिए धरती का इतिहास जानने के लिए हमें पत्थरों और पहाड़ों से सीखना होगा। जैसे किसी भाषा को सीखने के लिए हम अक्षर ज्ञान प्राप्त करते हैं, उसी प्रकार प्रकृति के बारे में जानने के लिए हमें पत्थरों और चट्टानों से जानना होगा। सड़क पर या पहाड़ के नीचे का छोटा-सा पत्थर का टुकड़ा भी पुस्तक का पृष्ठ बन जाता है। कोई चिकना पत्थर भी अपने बारे में बहुत कुछ बताता है कि यह गोल, चिकना, चमकीला और खुरदुरे किनारे का कैसे हो गया। और अंत में जाकर वह बालू का कण कैसे हो गया और सागर किनारे जम गया। अगर छोटा-सा पत्थर इतनी जानकारी दे सकता है, तो पहाड़ और अन्य चीजों से हमें कई बातें पता चल सकती हैं।

➢ कठिन शब्द

1) आबाद
2) पृष्ठ
3) पेंदा
4) घरोंदे
5) बालू
6) रोड़ा

➢ शब्दार्थ

1- आबाद- रहने योग्य
2- मुश्किल- कठिन
3- रोड़ा- पत्थर या ईट का टुकडा
4- पृष्ठ- पेज़, पन्ना
5- चटटान- शिला
6- पेंदा- तल, आधार
7- बालू- रेत
8- घरौंदे- छोटा घर

➢ बहुविकल्पी प्रश्न

(क) "संसार पुस्तक है' पाठ के लेखक कौन हैं?
(i) प्रेमचंद (ii) विनय महाजन
(iii) पं० जवाहरलाल नेहरू (iv) कृष्णा सोबती

(ख) नेहरू जी ने यह पत्र किसको लिखा था?
(i) भारत के बच्चों को **(ii) अपनी पुत्री इंदिरा को**
(iii) भारत के साहित्यकारों को (iv) धार्मिक नेताओं को

(ग) लेखक के पत्रों का संकलन किस नाम से है?
(i) भारत एक खोज (ii) संसार पुस्तक है।
(iii) संसार एक रंग-मंच **(iv) पिता के पत्र पुत्री के नाम**

(घ) लेखक ने प्रकृति के अक्षर किसे कहा है?
(i) पहाड़ों को (ii) नदी और मैदानों को
(iii) पक्षियों और पेड़ों को **(iv) उपर्युक्त सभी**

(ङ) किसी भाषा को सीखने के लिए सबसे पहले क्या सीखना होता है?
(i) वर्ण (ii) शब्द
(iii) वाक्य **(iv) शब्दांश**

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1- हम इतिहास में क्या पढ़ते हैं?

उत्तर- हम इतिहास में विभिन्न देशों के बीते हुए समय की जानकारी पढ़ते हैं, जैसे हिंदुस्तान और इंग्लैंड का इतिहास।

2- लेखक ने "प्रकृति के अक्षर" किन्हें कहा है?

उत्तरः-लेखक ने प्रकृति के अक्षर चट्टानों के टुकड़े, वृक्षों, पहाड़ों, नदियों, समुद्र, जानवरों की हड्डियाँ आदि को कहा है।

3- दुनिया का हाल जानने के लिए किस बात का ध्यान रखना पड़ेगा?

उत्तर- दुनिया का हाल जानने के लिए दुनिया के सभी देशों और यहाँ बसी सभी जातियों का ध्यान रखना होगा। केवल एक देश जिसमें हम पैदा हुए हैं, की जानकारी प्राप्त कर लेना काफ़ी नहीं है।

4- एक रोड़ा दरिया में लुढ़कता-लुढ़कता किस रूप में बदल जाता है?

उत्तर- रोड़ा दरिया में लुढ़कते-लुढ़कते छोटा होता जाता है और अंत में रेत का कण बन जाता है।

5- पत्थर अपनी कहानी हमें कैसे बताते हैं?

उत्तर- पत्थरों की कहानी उनके ऊपर ही लिखी हुई है। यदि हमें उसे पढ़ने और समझने की दृष्टि हो तो हम यह कहानी जान सकते हैं।

➢ लघु उत्तरीय प्रश्न

1- लेखक ने संसार को पुस्तक क्यों कहा है?

उत्तर-जैसे पुस्तक पढ़कर बहुत-सी जानकारी प्राप्त की जा सकती है, वैसे ही संसार में रहकर भी हमें बहुत-सी जानकारियाँ प्राप्त हो सकती हैं। इसलिए लेखक ने संसार को पुस्तक कहा है।

2- लाखों-करोड़ों वर्ष पहले हमारी धरती कैसी थी?

उत्तरः-लाखों करोड़ों वर्ष पहले हमारी धरती बहुत गर्म थी और उस पर कोई जानदार चीज नहीं रह सकती थी। इसी कारण उस समय धरती पर मनुष्यों का अस्तित्व नहीं था। धीरे-धीरे उसमें परिवर्तन होते गए और धरती में जानवरों और पौधे का जन्म हुआ।

3- दुनिया का पुराना हाल किन चीज़ों से जाना जाता है?

उत्तरः- दुनिया का पुराना हाल चट्टानों के टुकड़े, वृक्षों, पहाड़ों, सितारे, नदियों, समुद्र, जानवरों की हड्डियों आदि चीज़ों से जाना जाता है।

➢ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1- नेहरू जी ने पुत्री को क्या सलाह दी?

उत्तर-नेहरू जी ने पुत्री को कहा कि इंग्लैंड केवल एक छोटा-सा टापू है और हिंदुस्तान, जो एक बहुत बड़ा देश है, फिर भी दुनिया का एक छोटा-सा हिस्सा है। अगर तुम्हें इस दुनिया का कुछ हाल जानने का शौक है, जो तुम्हें सब देशों को और उन सब जातियों का जो इसमें बसी हुई हैं, का ध्यान रखना पड़ेगा, केवल उस एक छोटे-से देश का नहीं जिसमें तुम पैदा हुई हो।

2- गोल-चमकीला रोड़ा अपनी क्या कहानी बताता है?

उत्तर-गोल और चमकीला दिखाई देने वाला रोड़ा पहले ऐसा नहीं था। एक समय यह रोड़ा एक चट्टान का टुकड़ा था, जिसमें किनारे और कोने थे। वह किसी पहाड़ के दामन में पड़ा था। जब पानी के साथ बहकर वह नीचे आ गया और घाटी तक पहुँच गया। वहाँ से एक पहाड़ी नाले ने ढकेल कर उसे एक छोटे-से दरिया में पहुँचा दिया। पानी के साथ निरंतर ढकेले जाने के कारण उसके कोने घिस गए। दरिया उसे और आगे बहाकर ले गई। इस प्रकार की निरंतर प्रक्रिया के साथ वह गोल, चमकदार और चिकना हो गया।

3- लेखक ने इस दुनिया की और इस दुनिया के छोटे-बड़े देशों की छोटी-छोटी कथाएँ लिखने का इरादा क्यों किया?

उत्तर-जब लेखक और उनकी पुत्री साथ-साथ रहते थे तो लेखक की पुत्री नेहरू जी से कई प्रश्न पूछा करती थी। नेहरू जी तब उसके प्रश्नों और बातों का उत्तर दिया करते थे। जब

लेखक की पुत्री अपने पिता से दूर मसूरी में थी तो उन दोनों की बातचीत नहीं हो सकती थी। अतः लेखक ने बड़े सरल सहज तरीके से कई दुर्लभ जानकारियाँ देने के लिए इस दुनिया की और इस दुनिया के छोटे-बड़े देशों की छोटी-छोटी कथाएँ पत्रों के माध्यम से लिखने का इरादा किया।

व्याकरण

➢ मुहावरे और लोकोक्तियाँ

'मुहावरा' शब्द अरबी भाषा से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है-अभ्यास। हिंदी भाषा को सुंदर और प्रभावशाली बनाने के लिए हम मुहावरों और लोकोक्तियों का प्रयोग करते हैं। मुहावरा ऐसा शब्द-समूह या वाक्यांश होता है जो अपने शाब्दिक अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ को प्रकट करता है। विशेष अर्थ में प्रयुक्त होने वाले ये वाक्यांश ही मुहावरे कहलाते हैं।

नीचे कुछ महत्वपूर्ण मुहावरे दिए जा रहे हैं –

1) अगर-मगर करना (टाल-मटोल करना) – माँ ने अंकित से पढ़ने के लिए कहा तो वह अगर-मगर करने लगा।
2) आँखें चुराना (अपने को छिपाना) – गलत काम करके आँखें चुराने से कुछ नहीं होगा।
3) आँखें खुलना (होश आना) – जब पांडव जुए में अपना सब कुछ हार गए तो उनकी आँखें खुलीं।
4) आँखों का तारा (अतिप्रिय) – हर बेटा अपनी माँ की आँखों का तारा होता है।
5) आँखों में धूल झोंकना (धोखा देना) – ठग यात्री की आँखों में धूल झोंककर उसका सामान लेकर भाग गया।
6) आसमान सिर पर उठाना (बहुत शोर करना) – अध्यापक के कक्षा से चले जाने पर बच्चों ने आसमान सिर पर उठा लिया।
7) ईद का चाँद होना (बहुत दिनों बाद दिखाई देना) – अरे आयुष! कहाँ रहते हो? तुम तो ईद का चाँद हो गए हो।
8) कान भरना (चुगली करना) – विशाल को कान भरने की बुरी आदत है।
9) खाक छाननी (दर-दर भटकना) – नौकरी की तलाश में बेचारा मोहन खाक छान रहा है।
10) कमर कसना (चुनौती के लिए तैयार होना) – भारतीय सैनिक हर संकट के लिए कमर कसे रहते हैं।
11) खून-पसीना एक करना (कठोर परिश्रम करना) – खून-पसीना करके ही हम, अपने लक्ष्य तक पहुँच सकते हैं।
12) खून का प्यासा (जान लेने पर उतारू होना) – जायदाद बटवारे की समस्या ने दोनों भाइयों को एक-दूसरे के खून का प्यासा बना दिया।
13) ईंट-से ईंट बजाना (विनाश करना) – पांडवों ने कौरव-सेना की ईंट-से ईंट बजा दी।
14) ईमान बेचना (बेईमान होना) – आजकल सीधे-सादे आदमी को असानी से उल्लू बनाया जा सकता है।
15) होश उड़ जाना (घबरा जाना)-अपने सामने जीते – जागते शेर को देखकर मेरे होश उड़ गए।

➢ लोकोक्तियाँ

लोकोक्ति का अर्थ होता है-लोक की उक्ति अर्थात लोगों द्वारा कही गई बात। इसमें लौकिक जीवन का सत्य एवं अनुभव समाया होता है, ये स्वयं में एक पूर्ण वाक्य होती है; जैसे-अधजल गगरी छलकत जाए। इसका अर्थ है-कम जानकार द्वारा अपने गुणों का बखान करना।

➢ लोकोक्ति के कुछ प्रचलित उदाहरण

1) अंधों में काना राजा (मूर्खा में कम पढ़ा लिखा व्यक्ति) – हमारे गाँव में एक कंपाउंडरे ही लोगों का इलाज करता है, सुना नहीं है-अंधों में काना राजा।
2) अंधा चाहे दो आँखें (जिसके पास जो चीज नहीं है, वह उसे मिल जाना) – आयुष को एक घर की चाह थी, वह उसे मिल गया ठीक ही तो है–अंधा चाहे दो आँखें।

3) अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत (काम खराब हो जाने के बाद पछताना बेकार है) – पूरे वर्ष तो पढ़े नहीं अब परीक्षा में फेल हो गए, तो आँसू बहा रहे हो। बेटा, अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत।।
4) आटे के साथ घुन भी पिस जाता है (अपराधी के साथ निर्दोष भी दंड भुगतता है) – क्षेत्र में दंगा तो गुंडों ने मचाया, पुलिस दुकानदारों को भी पकड़कर ले गई। इसे कहते हैं, आटे के साथ घुन भी पिस जाता है।
5) आगे नाथ न पीछे पगहा (जिम्मेदारी का न होना) – पिता के देहांत के बाद रोहन बिलकुल स्वतंत्र हो गया है। आगे नाथ न पीछे पगहा।।
6) धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का (कहीं का न रहना) – बार-बार दल-बदल करने वाले नेता की स्थिति धोबी के कुत्ते ' जैसी हो जाती है, वह ने घर का न घाट का रह जाता है।
7) खोदा पहाड़ निकली चुहिया (अधिक परिश्रम कम लाभ) – सारा दिन परिश्रम के बाद भी कुछ नहीं मिला।
8) आ बैल मुझे मार (जान बूझकर मुसीबत मोल लेना) – बेटे के जन्मदिन पर पहले सबको बुला लिया अब खर्चे का रोना रोता है। सच है आ बैल मुझे मार।
9) नाच न जाने आँगन टेढ़ा (काम तो आता न हो, दूसरों में दोष निकालना) – काम करना तो आता नहीं, कहते हो औजार खराब है। इसी को कहते हैं नाच न जाने आँगन टेढ़ा।
10) भीगी बिल्ली बनना (दबकर रहना) – लाला की नौकरी करना है, तो भीगी बिल्ली बनकर रहना पड़ेगा।

लेखन विभाग

अनुच्छेद – पुस्तकों का महत्व

पुस्तकें हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण रोल अदा करती हैं क्योंकि पुस्तकों से हमें ज्ञान की प्राप्ति होती है। पुस्तकें हमारी अच्छी मित्र होती हैं एक पुस्तक जितना वफ़ादार और कोई नहीं होता है। एक पुस्तक ज्ञान तो हमें देती ही हैं इससे हमारा अच्छा ख़ासा मनोरंजन भी हो जाता है। इसीलिए पुस्तकों को हमारा मित्र कहना गलत नहीं होगा।पुस्तकें तो प्रेरणा का भंडार होती हैं इन्हें पढ़कर ही हमें जीवन में महान कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। पुस्तक अपने विचारों और भावनाओं को दूसरों तक पहुंचाने का सबसे अच्छा साधन है। पुस्तकें प्रेरणा की भंडार होती हैं।उन्हें पढ़कर जीवन में कुछ महान कर्म करने की भावना जागती है। महात्मा गाँधी को महान बनाने में गीता, टालस्टाय और थोरो का भरपूर योगदान था। भारत की आज़ादी का संग्राम लड़ने में पुस्तकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका थी। प्रत्येक छात्र को अच्छी और शिक्षाप्रद पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। इससे विद्यार्थियों के चरित्र-निर्माण पर गहरा असर पड़ता है। इस पुस्तक को पढने से धर्म के मार्ग पर चलने की सीख मिलती है। इसलिए मेरी दृष्टि में "रामचरितमानस" बहुत ही अच्छी पुस्तक है। "रामचरितमानस" में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के चरित्र का वर्णन है। राम एक आदर्श पुरुष थे। वे चौदह वर्ष तक लक्ष्मण व सीताजी सहित वन में रहे। वे एक आदर्श राजा थे। उन्होंने प्रजा की बातों को बहुत महत्व दिया। राम का शासनकाल आदर्शपूर्ण था, इसलिए उनका शासन राम राज कहलाता है। सीता एक आदर्श नारी थीं। लक्ष्मण की भातृभक्ति प्रशासंनीय है। पुस्तकें चरित्र निर्माण का सबसे अच्छा साधन होती हैं अच्छे विचारों , प्रेरणादायक कहानियों से भरपूर किताबों से देश की युवा पीढ़ी को एक नयी दिशा दी जा सकती है। इनसे ही देश में एकता का पाठ पढ़ाया जा सकता है। इसीलिए पुस्तकें ज्ञान की बहती हुई गंगा हैं जो कभी नहीं थमती। किन्तु देखा गया है के कुछ पुस्तकें ऐसी भी होती हैं जो हमारा गलत मार्ग दर्शन करती हैं इसीलिए हमें ऐसी पुस्तकों को पढने से बचना चाहिए हमेशा ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक पुस्तकें ही पढनी चाहिए ।

➢ **गतिविधि**- अपनी मन पसंदीदा पुस्तक के बारे में लिखिए |

रामबाल-कथा

पाठ-9 राम और सुग्रीव

प्रश्न- सुग्रीव के बड़े भाई का क्या नाम था?
उत्तर - सुग्रीव के बड़े भाई का नाम बाली था।
प्रश्न- सुग्रीव के प्रमुख साथी कौन थे?
उत्तर - सुग्रीव के प्रमुख साथी हनुमान थे।
प्रश्न- सुग्रीव सीता हरण का सुनकर अचानक क्यों उठ खड़े हुए?
उत्तर - सुग्रीव सीता हरण का सुनकर अचानक उठ खड़े हुए क्योंकि वानरों ने उन्हें एक स्त्री हरण की बात बताई थी।
प्रश्न- सुग्रीव ने राम को अपनी क्या व्यथा सुनाई?
उत्तर- सुग्रीव ने राम को बताया कि बाली ने उसे राज्य से निकाल दिया । उसकी स्त्री छीन ली और उसका वध करने की चेष्टा कर रहा है । हनुमान, नल और नील ने उसका साथ दिया है ।
प्रश्न- सुग्रीव राम से क्यों कुपित था?
उत्तर- सुग्रीव राम से इसलिए कुपित था क्योंकि राम पेड़ के पीछे खड़े थे परन्तु धनुष हाथ होने पर भी उन्होंने सुग्रीव को बचाने के लिए तीर नहीं चलाया
प्रश्न- किसने सुग्रीव को उनका राम को दिया वचन याद दिलाया?
उत्तर- हनुमान ने सुग्रीव को उनका राम को दिया वचन याद दिलाया ।
प्रश्न- वानरसेना एकत्र करने का आदेश सुग्रीव ने किसे दिया?
उत्तर- वानरसेना एकत्र करने का आदेश सुग्रीव ने सेनापति नल को दिया ।
प्रश्न- राम सुग्रीव के किस व्यवहार से क्षुब्ध थे?
उत्तर - राम सुग्रीव से इसलिए क्षुब्ध थे क्योंकि उन्होंने अपनी वानरसेना अभी तक नहीं भेजी थी ।
प्रश्न- राम ने सुग्रीव को अपनी शक्ति का परिचय किस प्रकार दिया?
उत्तर - राम ने अपनी शक्ति का परिचय तीर चला के दिया । शाल के सातों विशाल वृक्ष उनके एक ही बाण से कटकर गिर पड़े ।
प्रश्न- वानरसेना एकत्र करने का आदेश सुग्रीव ने किसे दिया?
उत्तर- वानरसेना एकत्र करने का आदेश सुग्रीव ने सेनापति नल को दिया ।
प्रश्न- राम सुग्रीव के किस व्यवहार से क्षुब्ध थे?
उत्तर- राम सुग्रीव से इसलिए क्षुब्ध थे क्योंकि उन्होंने अपनी वानरसेना अभी तक नहीं भेजी थी ।
प्रश्न- तारा ने सुग्रीव को क्या सलाह दी?
उत्तर - तारा ने सलाह दी कि सुग्रीव तत्काल जाकर राम से मिलें और छमा याचना करें ।
प्रश्न- जामवंत के पीछे किसकी सेना थी?
उत्तर - जामवंत के पीछे भालुओं की सेना थी ।
प्रश्न- हनुमान, नल और नील किस दल में थे?
उत्तर - हनुमान, नल और नील दक्षिण जाने वाले अग्रिम दल में थे।
प्रश्न- लंकारोहण के लिए वानरों की कितनी टोलियाँ बनी और अंगद को किस दल का नेता बनाया गया?
उत्तर - लंकारोहण के लिए वानरों की चार टोलियाँ बनी और अंगद को दक्षिण जाने वाले अग्रिम दल का नेता बनाया गया।
प्रश्न- राम ने अपनी अँगूठी किसे दी और उससे क्या कहा?
उत्तर - राम ने अपनी अँगूठी हनुमान को दी और उनसे कहा कि जब सीता से भेंट हो तो उन्हें ये मेरी अँगूठी दे देना। वे इसे पहचान जाएँगी।
प्रश्न- जटायु के भाई का क्या नाम था?
उत्तर - जटायु के भाई का संपाति नाम था।

कविता-14 लोकगीत

- भगवतीशरण उपाध्याय

➢ पाठ का सार

मनोरंजन की दूनियाँ में लोकगीतों का महत्वपूर्ण स्थान हैं|गीत संगीत के बिना हमारा मन नीरस हो जाता है|हमारी जीवन में लोकगीत और संगीत का अटूट संबंध है|लोकगीत उपनी ताजगी और लोकप्रियता से शास्त्रीय संगीत से भिन्न हैं|ये सीधे जनता का संगीत हैं|ये गाँव जनता का संगीत है|इस केलिए प्रत्येक साधनाकीजरुरत नहीं हैं|त्योहारों,और विशेष अवसरों पर ये गीत गाये जाते है|ये गीत बाजों,ढोलक,करताल,बाँसुरी,आदि की मदद से गाये जाते हैं| लोकगीत कई प्रकार के होते हैं|इनका एक एक प्रकार बहोत सजीव हैं|यह इस देश का आदिवासियों का संगीत हैं|पुरे देश भर ये फैले हुए है|अलग अलग राज्योमे,अलग-अलग भाषाओँ में रग्बी रंगी फूलों की माला की तरह ये बने है|सभी लोकगीत गाँवों की बोलियों में गाये जाते हैं|चैता, कजरी,बारहमास,सावन आदि उत्तरप्रदेश और बनारस में गाये जाते हैं|बोउल ,भटियाली,बंगला के लोकगीत हैं|राजस्तान में ढोलामारू,भोजपुर में बिदेशियाँ परसिद्ध है|एक दूसरों को जवाब के रूप में दल में बाँटके भी ये गीत गाया जा सकता है|जाने के सात नाचना भी होता है|

➢ कठिन शब्द

1) लोच
2) झांझ
3) करताल
4) हेय
5) आहदकर
6) सिरजती

➢ शब्दार्थ

1) लोच – लचीलापन
2) करताल- तालियाँ
3) झांझ – एक वाद्य यंत्र
4) हेय -हीन
5) निद्रन्द्र – बिना किसी दुविधा के
6) मर्म को छूना- प्रभावित करना
7) सिरजती- बनाती
8) पुट – अंश

➢ बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

(क) "लोकगीत' पाठ के लेखक कौन हैं?

(i) प्रेमचंद (ii) विष्णु प्रभाकर

(iii) विनय महाजन **(iv) भगवतशरण उपाध्याय**

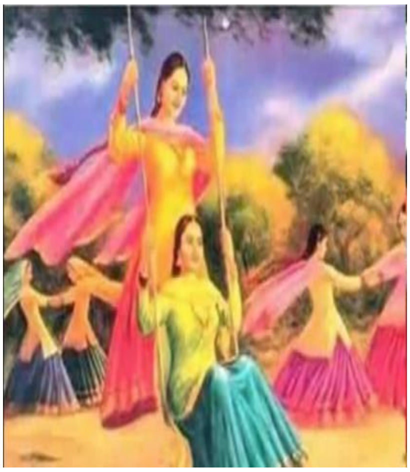

(ख) लोकगीतों की भाषा कैसी होती है?

(i) संस्कृतनिष्ठ (ii) शास्त्रीय

(iii) आम बोलचाल (iv) अनगढ़

(ग) लोकगीत शास्त्रीय संगीत से किस मायने में भिन्न है?

(i) लय, सुर और ताल में (ii) मधुरता में

(iii) सोच, ताजगी और लोकप्रियता में

(iv) इनमें कोई नहीं

(घ) लोकगीतों की रचना में किसका विशेष योगदान है?

(i) बच्चों का **(ii) स्त्रियों का**

(iii) पुरुषों का (iv) इनमें कोई नहीं

(ङ) इनमें से कौन बंगाल का लोकगीत है?

(i) कजरी **(ii) बाउल**

(iii) पूरबी (iv) सावन

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. लोकगीत किस अर्थ में शास्त्रीय संगीत से भिन्न है?

उत्तर- लोकगीत अपनी सोच, ताजगी तथा लोकप्रियता की दृष्टि से शास्त्रीय संगीत से भिन्न है। इस गीत को गाने के लिए शास्त्रीय संगीत जैसी साधना की ज़रूरत नहीं होती है।

प्रश्न 2. लोकगीतों की क्या विशेषता है?

उत्तर- लोकगीत सीधे जनता के गीत हैं। इसके लिए विशेष प्रयत्न की आवश्यकता नहीं पड़ती। ये त्योहारों और विशेष अवसरों पर साधारण ढोलक और झाँझ आदि की सहायता से गाए जाते हैं। इसके लिए विशेष प्रकार के वाद्यों की आवश्यकता नहीं होती।

प्रश्न 3. लोकगीत किससे जुड़े हैं?

उत्तर- लोकगीत सीधे आम जनता से जुड़े हैं? ये घर, गाँव और नगर की जनता के गीत हैं।

प्रश्न 4. वास्तविक लोकगीतों का संबंध कहाँ से है?

उत्तर- वास्तविक लोकगीतों का संबंध देश के गाँवों और देहातों से है।

प्रश्न 5. स्त्रियाँ लोकगीत गाते समय किस वाद्य का प्रयोग करती हैं?

उत्तर- स्त्रियाँ प्रायः ढोलक की मदद से लोकगीत गाती हैं?

➢ लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. हमारे यहाँ स्त्रियों के खास गीत कौन-कौन से हैं?

उत्तर- हमारे यहाँ कुछ लोकगीत ऐसे हैं जिन्हें स्त्रियों के खास गीत कहा जा सकता है। ऐसे गीतों में त्योहारों पर, नदियों में नहाते समय के, नहाने जाते हुए राह में गाए जाने वाले, विवाह के मटकोड के, ज्यौनार के संबंधियों के लिए प्रेमयुक्त गाली के, जन्म आदि अवसरों पर गाए जाने वाले प्रमुख हैं। होली के अवसर पर एवं बरसात की कजरी भी स्त्रियों के खास गीत हैं। इसके अतिरिक्त सोहर, बानी, सेहरा आदि उनके अनंत गानों में से कुछ हैं।

प्रश्न 2.भारत के विभिन्न प्रदेशों में कौन-कौन से लोकगीत गाए जाते हैं?

उत्तर-भारत के विभिन्न प्रांतों में विभिन्न प्रकार के लोकगीत गाए जाते हैं। पहाड़ियों के अपने-अपने गीत हैं। उनके अपने-अपने भिन्न रूप होते हुए भी अशास्त्रीय होने के कारण उनमें एकसमान भूमि है। गढ़वाल,

किन्नौर, काँगड़ा आदि के अपने-अपने गीत और उन्हें गाने की अपनी-अपनी विधियाँ हैं। चैता, कजरी, बारहमासा, सावन आदि मिर्जापुर, बनारस और उत्तर प्रदेश के पूरबी और बिहार के पश्चिमी जिलों में गाए जाते हैं। बाउल और भतियाली बंगाल के लोकगीत हैं। पंजाब में माहिया आदि इसी प्रकार के हैं। हीर-राँझा, सोहनी-महीवाल संबंधी गीत राजस्थान में गाए जाते हैं।

प्रश्न 3. स्त्रियों द्वारा गाए जाने वाले लोकगीतों की क्या विशेषता है?

उत्तर- गाँवों में स्त्रियाँ प्राचीन काल से ही लोकगीत गाती आ रही हैं? इनके गीत आमतौर पर दल बाँधकर ही गाए जाते हैं। अनेक कंठ एक साथ फूटते हैं। यद्यपि अधिकतर उनमें मेल नहीं होता, फिर भी त्योहारों और शुभ अवसरों पर वे बहुत ही भले लगते हैं। स्त्रियाँ ढोलक के साथ गाती हैं। प्रायः उनके गीत के साथ नाचे भी जुड़ा होता है।

➢ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1) निबंध के आधार पर और अपने अनुभव के आधार पर यदि तुम्हें लोकगीत सुनने के मौके मिले हैं तो, तुम लोकगीतों की कौन-सी विशेषताएँ बता सकते हो?

उत्तरः- लोकगीतों की अपनी कई विशेषताएँ हैं ।

- लोकगीतों को सुनने से ही हमें अपने मिट्टी से जुड़ाव का अनुभव होता है।
- लोकगीत हमें गाँव के जीवन से परिचित करवाते हैं।
- इनके साथ बजाए जाने वाले वाद्य यंत्र अत्यंत सरल होते हैं।
- इन गीतों से मन में उत्साह और उमंग का संचार होता है।
- इन गीतों को गाने के लिए किसी विशेष ज्ञान की आवश्यकता नहीं होती है।
- ये सरल और सहज गीत होते हैं।
- इनके रचनाकार स्त्री और पुरुष दोनों होते हैं।
- ये क्षेत्रीय या आम बोलचाल के भाषा में गाए जाते हैं ।

2) 'पर सारे देश के अपने-अपने विद्यापति हैं' इस वाक्य का क्या अर्थ है?

उत्तरः-कवि विद्यापति बहुत प्रसिद्ध कवि हैं। उन्हें 'मैथिल कोकिल'भी कहा जाता है ।आज भी विद्यापति के गीत पूरब में हमें सुनने के लिए मिलते हैं।पर सारे देश केअपने-अपने विद्यापति हैं' इस वाक्य को लेखक के कहने का तात्पर्य यह है कि अपने-अपने इलाके में जो लोग इस प्रकार के लोकगीतों की रचना करते हैं, वे विद्यापति के समान हैं।

3) जैसे-जैसे शहर फैल रहे हैं और गाँव सिकुड़ रहे हैं, लोकगीतों पर उनका क्या असर पड़ रहा है?

उत्तरः-अब गाँव भी शहरीकरण से अछूते नहीं रह गए हैं। सिनेमा, घर-घर टेलीविजन, मनोरंजन के सस्ते साधन उपलब्ध हो जाने के कारण भी अब लोकगीत कम होते जा रहे हैं; यहाँ तक कि शादी-विवाह जैसे पवित्र अवसरों पर भी लोकगीत नहीं सुनाई देते अब लोग भी लोकगीतों की जगह फ़िल्मी गीत सुनना ज़्यादा पसंद करते हैं जिनमें लोकगीतों की सरसता की जगह केवल शोर- शराबा ही सुनाई देता है । कई बार शब्दों के माधुर्य की जगह फूहड़ शब्द का शोर ही सुनाई पड़ता है ।

व्याकरण

➢ अनेक शब्दों के एक शब्द :

हिंदी शब्दों में अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कर सकते हैं। अथार्त हिंदी भाषा में कई शब्दों की जगह पर एक शब्द बोलकर भाषा को प्रभावशाली बनाया जा सकता है। हिंदी भाषा में अनेक शब्दों में एक शब्द का प्रयोग करने से वाक्य के भाव को पता लगाया जा सकता है।

इतिहास से संबंध रखने वाला – ऐतिहासिक
एक सप्ताह में होने वाला– साप्ताहिक
ऋषियों के रहने का स्थान – आश्रम
कठिनता से प्राप्त होने वाला – दुर्लभ
किसी से भी न डरना वाला – निडर
किसी प्राणी को न मारना – अहिंसा
जिस स्त्री का पति जीवित हो – सधवा
जिसकी कोई सीमा न हो – असीम
जहाँ लोगों का मिलन हो – सम्मेलन
जिसके आने की तिथि न हो – अतिथि
जो आँखों के सामने न हो – परोक्ष
वन में रहने वाला मनुष्य– वनवासी
तेज़ गति से चलने वाला – द्रुतगामी
जिसका कोई कारण न हो – अकारण

लेखन-विभाग

➢ कहानी लेखन – सारस और लोमड़ी की कहानी

एक बार एक लोमड़ी ने अपने दोस्त सारस को खाने की न्यौता दिया और खाने में खीर बनाया और उसे बड़े थाली में परोस दिया फिर सारस और लोमड़ी थाली में परोसे खीर को खाने लगे थाली काफी चौड़ी थी जिससे सारस के चोच में खीर की थोड़ी ही मात्रा आ पाती थी जबकि लोमड़ी अपने जीभ से जल्दी जल्दी सारा खीर खा लिया जबकि सारस का पेट भी नही भरा था जिससे लोमड़ी अपनी चतुराई से मन ही मन खुश हुई तो फिर सारस ने भी लोमड़ी को खाने का न्योता दिया फिर अगले दिन सारस ने भी खीर बनाया और और लम्बे सुराही में भर दिया जिसके बाद दोनों खीर खाने लगे सारस अपने लम्बे चोच की सहायता से सुराही में खूब खीर खाया जबकि लोमड़ी सुराही लम्बा और उसका मुह छोटा होने के कारण वहा तक पहुच ही नही पाता जिसके कारण वह सुराही पर गिरे हुए खीर को चाटकर संतोष किया फिर इस प्रकार सारस ने अपने अपमान का बदला ले लिया और लोमड़ी को अपने द्वारा किये हुए इस व्यव्हार पर बहुत पछतावा हुआ ।

कहानी से शिक्षा – जैसे को तैसा की सोच आधारित यह कहानी हमे यही सिखाती है की हमे कभी भी किसी का अपमान नही करना चाहिए ऐसा अपमान अपने साथ भी हो सकता है।

रामबाल-कथा
पाठ- 10 लंका में हनुमान

प्रश्न- समुद्र के अंदर कौन सा पर्वत था?
उत्तर- समुद्र के अंदर मैनाक पर्वत था।
प्रश्न- हनुमान की परछाई समुद्र में कैसे दिखती थी?
उत्तर - हनुमान की परछाई समुद्र में नाव की तरह दिखती ।
प्रश्न- सुरसा कौन थी और वह क्या चाहती थी?
उत्तर - सुरसा विराट शरीर वाली राक्षसी थी और वह हनुमान को खा जाना चाहती थी ।
प्रश्न- लंका नगरी को ठीक से देखने के लिए हनुमान ने क्या किया?
उत्तर - लंका नगरी को ठीक से देखने के लिए हनुमान एक पहाड़ी पर चढ़ गए ।
प्रश्न- रावण की रानी का क्या नाम था?
उत्तर- रावण की रानी का नाम मंदोदरी था।
प्रश्न- राक्षसी त्रिजटा ने सपने में क्या देखा?
उत्तर- त्रिजटा ने सपने में देखा कि पूरी लंका समुद्र में डूब गई है।
प्रश्न- हनुमान ने सीता के मन की शंका को कैसे दूर किया?
उत्तर - हनुमान ने पर्वत पर फेंके आभूषणों की याद दिलाकर सीता के मन के संदेह को दूर किया ।
प्रश्न- रावण के पुत्र अक्षकुमार की मृत्यु कैसे हुई?
उत्तर - रावण के पुत्र अक्षकुमार की मृत्यु हनुमान से लड़ते हुए हुई।
प्रश्न- हनुमान अशोक वाटिका की ओर क्यों भागे?
उत्तर- हनुमान को सीता की चिंता थी। उन्हें डर था कि कहीं आग उन तक न पहुँच गई हो इसलिए हनुमान अशोक वाटिका की ओर भागे।
प्रश्न- हनुमान को उनकी शक्ति की याद दिलाने में कौन सफल हुए?
उत्तर - हनुमान को उनकी शक्ति की याद दिलाने में जामवंत सफल हुए ।
प्रश्न- हनुमान छलाँग कर किस पर्वत पर जा खड़े हुए?
उत्तर - हनुमान छलाँग कर महेंद्र पर्वत पर जा खड़े हुए ।
प्रश्न- हनुमान किस प्रकार राक्षसी सुरसा को दे कर निकल आए?
उत्तर -हनुमान उसे चकमा देकर उसके मुँह में घुसकर निकल आए।

प्रश्न- हनुमान को क्या चिंता थी?

उत्तर- हनुमान को चिंता थी कि वह सीता को कैसे ढूँढेंगे और कैसे पहचानेंगे?

प्रश्न- लंका नगरी को ठीक से देखने के लिए हनुमान ने क्या किया?

उत्तर - लंका नगरी को ठीक से देखने के लिए हनुमान एक पहाड़ी पर चढ़ गए ।

पाठ- 15 नौकर

- अनु बधोपाध्याय

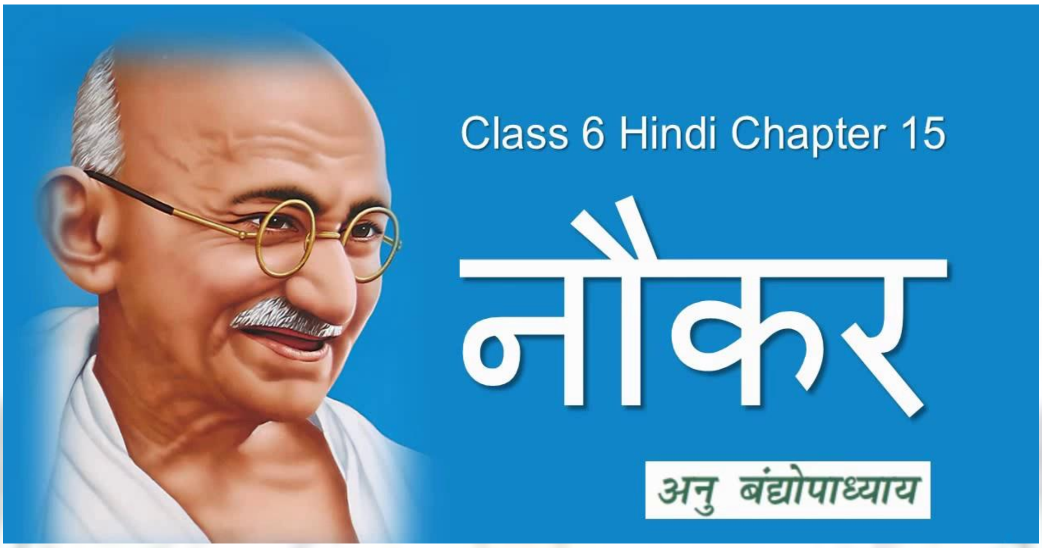

➢ पाठ का सार

नौकर ' पाठ अनु बंदोपाध्याय द्वारा लिखा गया है | प्रस्तुत पाठ में गाँधी जी के बारे में वर्णन किया गया है | गाँधी जी अपना काम स्वयं करते थे | वह शारीरिक परिश्रम से कभी भी मना नहीं करते है | वह आश्रम में छोटे-छोटे काम स्वयं करते थे , जैसे आटा पिसना , पानी लाना , खाना बनाना | गाँधी जी आश्रम में सफाई स्वयं करते थे , वह अपने झूठे बर्तन भी साफ करते थे | वह अपना काम दूसरों से कभी नहीं करवाते थे | आश्रम को घरेलू नौकरों को परिवार की तरह रखते थे , आश्रम में नौकरों नहीं माना जाता था | गाँधी जी कहते थे कि आप मेरी सेवा करते है , उसका मूल्य मैं नहीं दे सकता हूँ , लेकिन ईश्वर आपको जरूर देगा |

➢ कठिन शब्द

1) कौपनधारी
2) हैरत
3) छात्र
4) आंगतुक
5) पेंदी
6) कालिख
7) तश्तरियों
8) सर्वथा

➢ शब्दार्थ

1-कौपनधारी- लंगोट धारण करनेवाला
2-हैरत- चमत्कार, अचंभा
3-छात्र- विदयार्थी
4-आगंतुक- अतिथि
5-पेंदी- तल, आधार
6-कालिख- कलंक
7-क्षमता-योग्यता
8-तश्तरियों- छोटी रकाबी
9-सर्वथा- पूरा, स्पष्टवादी
10-सामर्थ्य- क्षमता

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1- गांधी जी घर के लिए आटा कैसे तैयार करते थे?

उत्तर-गांधी जी ज़रूरत का महीन या मोटा आटा सुबह-शाम चक्की से पीसकर तैयार कर लेते थे।

2- गांधी द्वारा भोजन परोसने के कारण आश्रमवासियों को क्या सहना पड़ता था?

उत्तर- उनको बेस्वाद भोजन खाकर ही रहना पड़ता था।

3- बोअर-युद्ध के दौरान गांधी जी ने क्या किया?

उत्तर- बोअर-युद्ध के दौरान गांधी जी ने घायलों को स्ट्रेचर पर ढोया था।

4- गांधी जी लिखते समय किस बात का ध्यान रखते थे?

उत्तर-गांधी जी रात को लालटेन की रोशनी में पत्र लिखते थे। जब तेल खत्म हो जाता तब वे चंद्रमा की रोशनी में पत्र पूरा करते थे।

➢ लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1- आश्रम के निर्माण के समय कौन-सी घटना घटित हुई?

उत्तर-आश्रम के निर्माण के समय वहाँ आने वाले मेहमानों को तंबुओं में सोना पड़ता था। एक नवागत को पता नहीं था कि अपना बिस्तर कहाँ रखना चाहिए, इसलिए उसने बिस्तर को लपेटकर रख दिया और यह पता लगाने गया कि उसे कहाँ रखना है। लौटते समय उसने देखा कि गांधी जी खुद उसका बिस्तर कंधे पर उठाए रखने चले जा रहे हैं।

2- नौकरों के बारे में गांधी जी के क्या विचार थे?

उत्तर- गांधी जी नौकरों को भी अपने भाइयों के समान मानते थे। उनका विचार था कि नौकर वेतन लेने वाले मजदूर नहीं। हमें उनके साथ सदैव भाई जैसा व्यवहार करना चाहिए।

3- आश्रम में किसी सहायक को रखते समय गांधी जी का क्या-क्या आग्रह रहता था? क्यों?

उत्तर-आश्रम में किसी सहायक को रखते समय गांधी जी इस बात का आग्रह करते थे कि हरिजन को रखा जाए। उनका कहना था कि "नौकरों को हमें वेतनभोगी मज़दूर नहीं, अपने भाई के समान समझना चाहिए। इससे कुछ कठिनाई हो सकती, कुछ चोरियाँ हो सकती हैं। फिर भी हमारी कोशिश सर्वथा निष्फल नहीं जाएगी।

➢ दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1- आश्रम में कॉलेज के छात्रों से गाँधी जी ने कौन-सा काम करवाया और क्यों?

उत्तरः-आश्रम में कॉलेज के छात्रों से गाँधी जी ने गेंहूँ बीनने का काम करवाया।एक बार गाँधी जी से मिलने के लिए कॉलेज के कुछ छात्र आए थे। उन सभी को अपने अंग्रेज़ी ज्ञान पर बड़ा गर्व था। बातचीत के दौरान छात्रों ने उनसे कार्य माँगा छात्रों को लगा कि गाँधी जी उन्हें पढ़ने-लिखने से संबंधित कोई कार्य देंगें गाँधी जी उनकी इस मंशा को भाँप गए और गाँधी जी ने छात्रों को गेंहूँ बीनने का कार्य सौंप दिया। वास्तव में इस कार्य द्वारा गाँधी जी छात्रों को समझाना चाहते थे कि कोई कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता।

2- लंदन में भोज पर बुलाए जाने पर गाँधी जी ने क्या किया?

उत्तरः-दक्षिण अफ्रीका में रहने वाले भारतीयों के जाने-माने नेता के रूप में गाँधी भारतीय प्रवासियों की माँगों को ब्रिटिश सरकार के सामने रखने के लिए एक बार लंदन गए। वहाँ उन्हें भारतीय छात्रों ने एक शाकाहारी भोज में निमंत्रित किया। छात्रों ने इस अवसर के लिए स्वयं ही शाकाहारी भोजन तैयार करने का निश्चय किया था। तीसरे पहर दो बजे एक दुबला-पतला और छरहरा आदमी आकर उनमें शामिल हो गया और तश्तरियाँ धोने, सब्जी साफ़ करने और अन्य छुट-पुट काम करने में उनकी मदद करने लगा। बाद में छात्रों का नेता वहाँ आया तो क्या देखता है कि वह दुबला-पतला आदमी और कोई नहीं, उस शाम को भोज में निमंत्रित उनके सम्मानित अतिथि गाँधी थे। इस प्रकार गाँधी जी ने बिना

किसी संकोच के छात्रों की मदद की।

3- गाँधी जी ने श्रीमती पोलक के बच्चे का दूध कैसे छुड़वाया?

उत्तरः–एक बार दक्षिण अफ़्रीका में जेल से छूटने के बाद घर लौटने पर उन्होंने देखा कि उनके मित्र की पत्नी श्रीमती पोलक बहुत ही दुबली और कमजोर हो गई हैं। उनका बच्चा उनका दूध पीना छोड़ता नहीं था और वह उसका दूध छुड़ाने की कोशिश कर रही थीं। बच्चा उन्हें चैन नहीं लेने देता था और रो–रोकर उन्हें जगाए रखता था। गाँधीजी जिस दिन लौटे, उसी रात से उन्होंने बच्चे की देखभाल का काम अपने हाथों में ले लिया। बच्चे को श्रीमती पोलक के बिस्तर पर से उठाकर अपने बिस्तर पर लिटा लेते थे। वह चारपाई के पास एक बरतन में पानी भरकर रख लेते बच्चे को प्यास लगे तो उसे पिला दें। एक पखवाड़े तक माँ से अलग सुलाने के बाद बच्चे ने माँ का दूध छोड़ दिया। इस उपाय से गाँधी जी ने बच्चे का दूध छुड़वाया।

4- आश्रम में काम करने या करवाने का कौन–सा तरीका गाँधी जी अपनाते थे?

उत्तरः–गाँधी जी दूसरों से काम करवाने में बड़े सख्त थे। परन्तु अपने लिए काम करवाना उन्हें पसंद न था। वे अपना कार्य स्वयं करते थे उसमें वे किसी की सहायता भी नहीं लेते थे। गाँधी जी को काम करता देख उनके अनुयायी भी उनका अनुकरण कर कार्य करने लगते थे। इस प्रकार गाँधी जी अपने स्वयं के उदाहरण द्वारा लोगों को काम की प्रेरणा देते थे।

व्याकरण

➢ **विराम-चिह्न** **विराम शब्द का अर्थ है – रुकना या ठहरना।**

वाक्यों के बीच-बीच में थोड़ी देर के लिए रुकने का संकेत करने वाले चिह्नों को विराम-चिह्न कहते हैं।

1. पूर्ण विराम (।) – पूर्ण विराम वाक्य के अंत में लगाया जाता है। जब वाक्य पूरा होता है, तब इसका प्रयोग करते हैं। जैसे

- पक्षी दाना चुग रहे हैं।
- सूर्योदय हो रहा है।

2. अल्प विराम (,) – अल्प विराम का अर्थ है-थोड़ा विराम। जब पूर्ण विराम से कम समय के लिए वाक्य के बीच में रुकना पड़े, तो अल्पविराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है|
जैसे- भारत में गेहूँ, चना, बाजरा, मक्का, आदि बहुत सी फ़सलें उगाई जाती हैं।

3. अर्ध विराम (;) – वाक्य लिखते या बोलते समय, एक बड़े वाक्य में एक से अधिक छोटे वाक्यों को जोड़ने के लिए अर्धविराम का प्रयोग किया जाता है|
जैसे—निरंतर प्रयत्नशील रहो; रुकना कायरता है।

4. प्रश्नवाचक चिह्न (?) – बातचीत के दौरान जब किसी से कोई बात पूछी जाती है अथवा कोई प्रश्न पूछा जाता है, तब वाक्य के अंत में प्रश्नसूचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे

- आपका क्या नाम है?
- तुमने क्या कहा है?

5. विस्मयाधिबोधक चिह्न (!) – विस्मयः आश्चर्य, शोक, हर्ष आदि भावों को प्रकट करने वाले शब्दों को विस्मयादि बोधक चिह्न कहते हैं।

- वाह! हम यह मैच भी जीत गए।
- छिः यहाँ इतनी गंदगी क्यों है?

6. योजक या विभाजक चिह्न (–) – दो शब्दों को जोड़ने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है|
जैसे-छोटा-बड़ा, रात-दिन, धीरे-धीरे।

उदाहरण-जीवन में सुख-दुख तो चलता ही रहता है।

7. निर्देशक (डैश) चिह्न (_) – कोई भी निर्देश अथवा सूचना देने वाले वाक्य के बाद निर्देशक-चिह्न का प्रयोग किया जाता है|
जैसे-नेहा ने कहा-मैं कल जाऊँगी।

8. उद्धरण चिह्न ("…..") (' ') – उद्धरण चिह्न दो प्रकार के होते हैं- एकहरे (' ') तथा दोहरे (" ") एकहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग किसी विशेष व्यक्ति, ग्रंथ, उपनाम आदि को प्रकट करने के लिए किया जाता है| जैसे

- रामचरित मानस' तुलसीदस द्वारा रचित ग्रंथ है।
- रामधारी सिंह 'दिनकर' महान कवि थे।

9. विवरण चिह्न (:-) – इसका प्रयोग निर्देश देने के लिए होता है या किसी विषय का विवरण देने के लिए।
जैसे कारक के आठ भेद हैं:

10. कोष्ठक – वाक्य के बीच में आए शब्दों अथवा पदों का अर्थ स्पष्ट करने के लिए कोष्ठक का प्रयोग किया जाता है|
जैसे कालिदास (संस्कृत के महाकवि) को सभी जानते हैं।

11. त्रुटिपूरक चिह्न (λ) – हँसपद-लिखते समय जब कोई अंश शेष रह जाता है तो इस चिह्न को लगाकर उस शब्द को ऊपर . लिख दिया जाता है|

जैसे

- बगीचे में λ फूल खिले हैं
- मैंने λ तुमसे पहले λ ही कह दिया था।

12. लाघव चिह्न (०) – किसी बड़े अंश का संक्षिप्त रूप लिखने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है|
जैसे मेंबर ऑफ पार्लियामेंट- एमपी, डॉक्टर-डॉ., अर्जित अवकाश. ।

लेखन -विभाग

➢ पत्र-लेखन

पर्यावरण में हो रही क्षति के सन्दर्भ में अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का निवेदन करते हुए किसी प्रतिष्ठित दैनिक पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए।

424, शालीमार बाग,
दिल्ली।
दिनांक 16 मार्च, 2020
सेवा में,
सम्पादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,
दिल्ली।
विषय- अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के सम्बन्ध में।
महोदय,
इस पत्र के माध्यम से मैं प्रशासन, सरकार व आम जनता का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहती हूँ कि वृक्षों की अन्धाधुन्ध कटाई व कारखानों से निकलने वाले धुएँ के कारण पर्यावरण को अत्यधिक क्षति हो रही है। यद्यपि

वन महोत्सव के अवसर पर वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आरम्भ किया जाता है तथा अनेक वृक्ष भी लगाए जाते हैं, परन्तु उनकी देखभाल नहीं की जाती जिसके कारण पर्यावरण में प्रदूषण का खतरा बढ़ता जा रहा है। मेरा सभी से निवेदन है कि हम सभी को मिलकर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने होंगे जिससे हम पर्यावरण को सुरक्षित कर पाएँगे।

धन्यवाद।

भवदीय

राहुल

- **लवली' पेंसिलें बनाने वाली कंपनी के लिए विज्ञापन तैयार कीजिए।**

- **गतिविधि- गांधीजी का चित्र बनाओ |**

रामबाल-कथा
पाठ- 11 लंका विजय

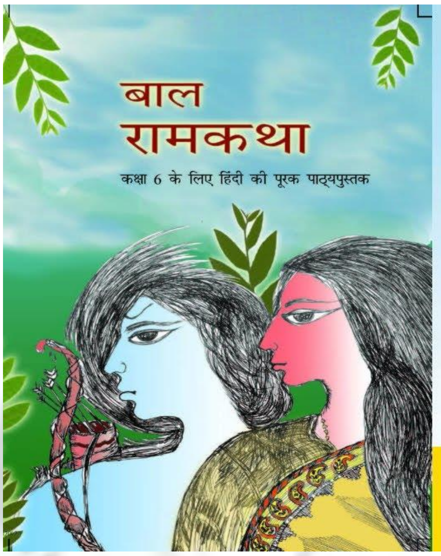

प्रश्न- दिन रात चलकर सेना ने कहाँ पर डेरा डाला?
उत्तर - दिन रात चलकर सेना ने महेंद्र पर्वत पर डेरा डाला ।
प्रश्न- लंकारोहण के लिए किसने और कितने दिनों में पुल तैयार किया?
उत्तर- लंकारोहण के लिए नल ने पाँच दिनों में पुल तैयार किया ।
प्रश्न- राम ने अपनी सेना को कितने भागों में बाँटा था?
उत्तर- राम ने अपनी सेना को चार भागों में बाँटा था ।
प्रश्न- समुद्र ने राम को क्या सलाह दी?
उत्तर - समुद्र ने राम को सलाह दी कि आपकी सेना में नल नाम का एक वानर है जो पुल बना सकता है ।
प्रश्न- मेघनाद कौन था और उसकी क्या विषेशताएँ थीं?
उत्तर- मेघनाद रावण का ज्येष्ठ पुत्र था । वह मायावी था और किसी को दिखाई नहीं पड़ता था । वह छिपकर युद्ध करता था ।
प्रश्न- कुंभकर्ण कौन था?
उत्तर - कुंभकर्ण रावण का भाई था। वह एक महाबली था जो छह महीने सोता था।
प्रश्न- हनुमान कौन सी बूटी लाए?
उत्तर - हनुमान संजीवनी बूटी लाए।
प्रश्न- राम ने किससे विभीषण के राजयभिषेक की तैयारी करने को कहा?
उत्तर- राम ने लक्ष्मण से विभीषण के राजयभिषेक की तैयारी करने को कहा।
प्रश्न- रावण के बाद लंका का राजा किसे बनाया गया?
उत्तर - रावण के बाद लंका का राजा विभीषण को बनाया गया।
प्रश्न- समुद्र पार राम के शिविर में अचानक खलबली क्यों मच गई?
उत्तर- विभीषण के जाने पर राम के शिविर में अचानक खलबली मच गई।
प्रश्न- वानर विभीषण को किसके पास ले गए?
उत्तर- वानर विभीषण को सुग्रीव के पास ले गए।

प्रश्न- कुंभकर्ण की मृत्यु कैसे हुई?
उत्तर- कुंभकर्ण की मृत्यु रणभूमि में राम और लक्ष्मण के बाणों से हुई।
प्रश्न- रावण किसे अपना दाहिना हाथ मानता था?
उत्तर- रावण कुंभकर्ण को अपना दाहिना हाथ मानता था ।
प्रश्न- मेघनाद को इंद्रजित क्यों कहा जाता है?
उत्तर - मेघनाद ने एक बार इंद्र को परास्त किया था इसलिए उसे इंद्रजित कहा जाता है।
प्रश्न- लक्ष्मण का बाण लगने पर मेघनाद ने क्या किया?
उत्तर - लक्ष्मण का बाण लगने पर मेघनाद पीछे मुड़ा और महल की ओर भागा।

बाल- रामायण

पाठ-12 राम का राज्यभिषेक

प्रश्न- विभीषण क्यों चाहते थे कि राम कुछ दिन लंका में रुक जाएँ?

उत्तर- विभीषण चाहते थे कि राम कुछ दिन लंका में रुक जाएँ क्योंकि वह राम से रीति - नीति सीखना चाहते थे।

प्रश्न कौन से विमान से राम और सीता अयोध्या गए?

उत्तर- पुष्पक विमान से राम और सीता अयोध्या गए।

प्रश्न- विभीषण के आग्रह करने पर भी राम लंका में क्यों नहीं रुकना चाहते थे?

उत्तर - विभीषण के आग्रह करने पर भी राम लंका में नहीं रुकना चाहते थे क्योंकि उनके वनवास के चौदह वर्ष पूरे हो गए थे और वह तत्काल अयोध्या लौटना चाहते थे।

प्रश्न- सीता के आग्रह पर विमान किष्किंधा में क्यों उतरा?

उत्तर-सीता के आग्रह पर विमान किष्किंधा में सुग्रीव की रानियों तारा और रूपा को लेने उतरा।

प्रश्न- गंगा-यमुना के संगम पर किसका आश्रम था?

उत्तर -गंगा-यमुना के संगम पर ऋषि भरद्वाज का आश्रम था।

प्रश्न- राम का राजतिलक किसने किया?

उत्तर -राम का राजतिलक मुनि वशिष्ठ ने किया।

प्रश्न- सीता ने आपने गले का हार किसे दिया?

उत्तर - सीता ने आपने गले का हार हनुमान को दिया।

प्रश्न-भरत के प्रसन्नता का कारण क्या था?

उत्तर- भरत के प्रसन्नता का कारण राम का वापस अयोध्या लौटना था।

प्रश्न- शत्रुघ्न ने राम के राज्याभिषेक की कैसी तैयारी की थी?

उत्तर- राम के राज्याभिषेक के लिए पूरा नगर दीपों और फूलों से सजाया गया था ।

प्रश्न-रामराज्य की विषेशताएँ लिंखें।

उत्तर- राम के राज में किसी को कष्ट नहीं था। सब सुखी थे। भेदभाव नहीं था। कोई बीमार नहीं पड़ता था। खेत हरे-भरे थे। पेड़ फलों से लदे रहते थे। राम न्यायप्रिय थे।

प्रश्न- राम ने पुष्पक विमान को किसके पास भेज दिया?

उत्तर - राम ने पुष्पक विमान को कुबेर के पास भेज दिया।

प्रश्न- पुष्पक विमान किसका था और उसे किसे छीन लिया था?

उत्तर - पुष्पक विमान कुबेर का था और उसे रावण ने बल से छीन लिया था।

प्रश्न- अयोध्या के नगरवासी क्यों प्रसन्न थे?

उत्तर- अयोध्या के नगरवासी प्रसन्न थे क्योंकि उन्हें उनके राम वापस मिल गए थे।

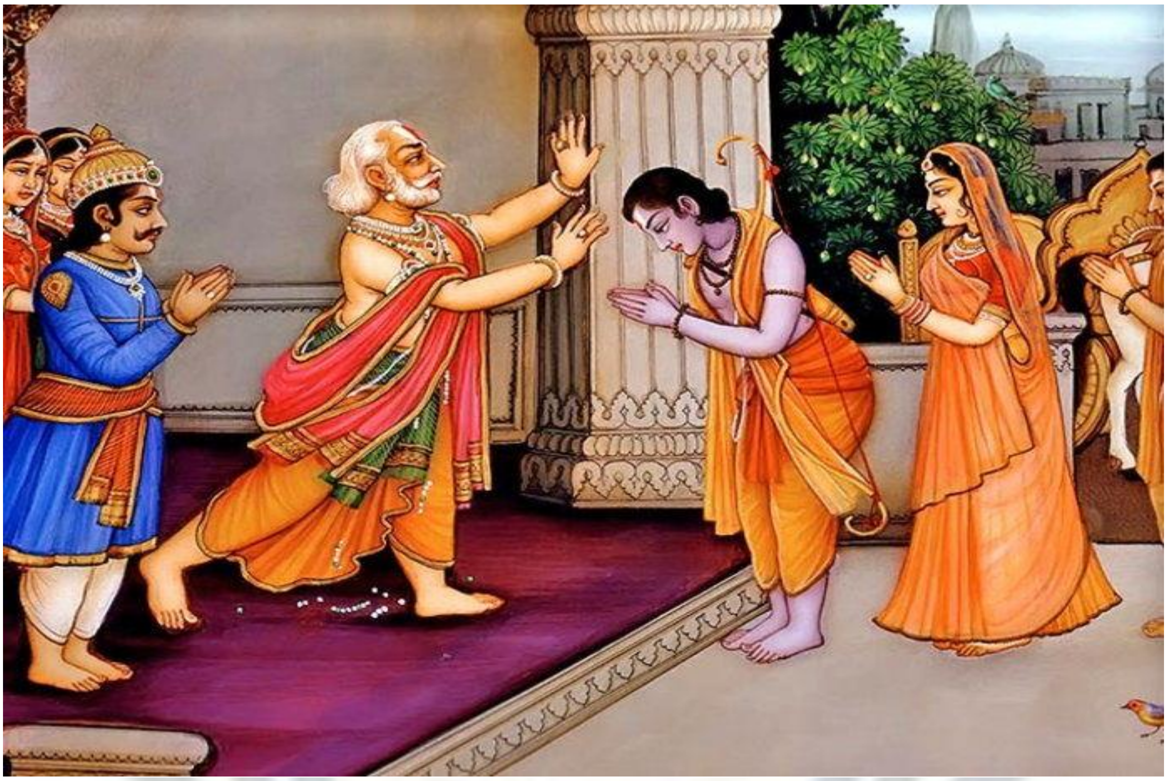

पाठ-17 साँस साँस मेन बाँस

- एलेक्स एम जॉर्ज

साँस साँस में बांस

➢ पाठ का सार

सांस सांस में बांस" नामक पाठ में कवि ने बांस के महत्व को बताते हुए उसकी उपयोगिता का वर्णन किया है। बांस मुख्य रूप से भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्रों के 7 राज्यों में अत्यधिक मात्रा में उगता है।
यहां के लोग बांस से कई तरह की चीजें बनाकर अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं। वे लोग बांस से कई तरह की चटाइयां, टोपियां, बर्तन, फर्नीचर और घर का सजावटी सामान बनाते हैं।
जुलाई से अक्टूबर तक अत्यधिक वर्षा होती है जिस कारण इन लोगों के पास जंगल से बांस लाने और उससे सामान बनाने का सही समय होता है। वे अपनी कारीगरी से बांस से बहुत ही आकर्षक वस्तुएं बना देते हैं। बांस यहां के लोगों की आजीविका का प्रमुख साधन है।

➢ कठिन शब्द

1) करतब
2) बहुतायत
3) चलन
4) शंकु
5) मसलन
6) गठान
7) तर्जनी
8) हुनर

➢ शब्दार्थ

1) करतब- करामत
2) बहुतायत- बहुत अधिक
3) चलन- रिवाज
4) तरकीब- तरीका
5) ईधन- जलाने का समान
6) पालना- झूला
7) मसलन- उदाहरण के लिए
8) हुनर- कलकारी
9) तर्जनी- अंगूठे की पास की उँगली
10) प्रक्रिया- तरीका

➢ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर

(क) भारत में बाँस किस प्रांत में अधिक पाया जाता है?

(i) नागालैंड (ii) असम

(iii) मणिपुर व त्रिपुरा **(iv) उपर्युक्त सभी**

(ख) बाँस इकट्ठा करने का मौसम कौन-सा है?

(i) जनवरी से मार्च **(ii) जुलाई से अक्टूबर**

(iii) नवंबर एवं दिसंबर (iv) अप्रैल से जून

(ग) बूढ़ा बाँस कैसा होता है?

(i) नरम (ii) कमजोर

(iii) सख्त (iv) लचीला

(घ) चंगकीचंगलनबा थे?

(i) वैज्ञानिक (ii) लेखक

(iii) जादूगर (iv) कारीगर

(ङ) 'साँस-साँस में बाँस' पाठ में किस राज्य की बात की जा रही है?

(i) मणिपुर (ii) त्रिपुरा

(iii) असम **(iv) नागालैंड**

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. भारत में बाँस कहाँ-कहाँ बहुतायत से पाया जाता है?

उत्तर- बाँस भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के सातों राज्यों-अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम व त्रिपुरा में बहुतायत से पाया जाता है। वहाँ के लोग बाँस का भरपूर उपयोग करते हैं। यह वहाँ के लोगों के पालन-पोषण का बहुत बड़ा साधन है।

प्रश्न 2. बाँस से क्या-क्या चीजें बनाई जाती हैं?

उत्तर- बाँस से चटाइयाँ, टोकरियाँ, बरतन, बैलगाड़ियाँ, फ़र्नीचर, खिलौने, सजावटी सामान, जाल, मकान, पुल आदि चीजें बनाई जाती हैं|

प्रश्न 3. खपच्चियाँ बनाने के लिए किस प्रकार के बाँसों की आवश्यकता होती है?

उत्तर- खपच्चियाँ ऐसे बाँसों से बनायी जाती हैं जो सख्त न हों, क्योंकि सख्त बाँस टूट जाते हैं। बूढ़े बाँस सख्त होते हैं। एक से तीन वर्ष की उम्र वाले बाँस लचीले होते हैं। ऐसे बाँस खपच्चियाँ बनाने के लिए बहुत उपयोगी होते हैं।

प्रश्न 4. बूढ़े बाँस की क्या पहचान है?

उत्तर- तीन साल से अधिक आयु का बाँस बूढ़ा माना जाता है। बूढ़ा बाँस सख्त होता है जिसके कारण बहुत जल्दी टूट जाता है।

➢ लघुउत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. जादूगर चंगकीचंगलनबा की कब्र के साथ क्या किस्सा जुड़ा है?

उत्तर- एक जादूगर थे-चंगकीचंगलनबा। अपने जीवन में उन्होंने कई बड़े-बड़े करतब दिखलाए। जब वे मरने को हुए तो लोगों से बोले, मुझे दफ़नाए जाने के छठे दिन मेरी कब्र खोदकर देखोगे तो कुछ नया-सा पाओगे। कहा जाता है कहे मुताबिक मौत के छठे दिन उनकी कब्र खोदी गई और उसमें से निकले बाँस की टोकरियों के कई सारे डिज़ाइन। लोगों ने उन्हें देखा, पहले उनकी नकल की और फिर नई डिज़ाइने भी बनाई।

प्रश्न 2. बाँस की बुनाई कैसे होती है?

उत्तर- बाँस की बुनाई वैसी ही होती है जैसे कोई और बुनाई। पहले खपच्चियों को आड़ा-तिरछा रखा जाता है, फिर बाने को। बारी-बारी से ताने से ऊपर-नीचे किया जाता है। इससे चेक का डिजाइन बनता है। पलंग

की निवाड़ की बुनाई की तरह। टोकरी के सिरे पर खपच्चियों को या तो चोटी की तरह गूंथ लिया जाता है या फिर कटे सिरों को नीचे की ओर मोड़कर फँसा दिया जाता है।

प्रश्न 3. खपच्चियों को किस प्रकार से रंगा जाता है?

उत्तर- खपच्चियों को गुड़हल के फूलों व इमली की पत्तियों आदि के रस से रंगा जाता है। काले रंग के लिए खपच्चियों को आम की छाल में लपेटकर मिट्टी में दबाकर रखा जाता है।

प्रश्न 4. किस मौसम में लोगों के पास खाली वक्त होता है? ऐसे मौसम में वे क्या करते हैं?

उत्तर- जुलाई से अक्टूबर के महीनों में खूब वर्षा होती है। बारिश के इस मौसम में लोगों के पास बहुत खाली समय होता है। इस समय में लोग जंगलों में बाँस इकट्ठा कर सकते हैं।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न - खपच्चियों को तैयार करने में किस बात का ध्यान रखा जाता है?

उत्तर- खपच्चियों के लिए ऐसे बाँसों को चुना जाता है जिनमें गाँठ-गाँठ दूर-दूर होती है। दाओ यानी चौड़े चाँद जैसी फाल वाले चाकू से इन्हें छीलकर खपच्चियाँ तैयार की जाती हैं। खपच्चियों की लंबाई पहले से ही तय कर ली जाती है; जैसे-आसन जैसी छोटी चीजें बनाने के लिए बाँस को हरेक गठान से काटा जाता है। येकरी बनाने के लिए लगभग दो या तीन गठानों वाली लंबी खपच्चियाँ काटी जाती हैं। यह इस बात पर निर्भर करती है कि टोकरी की लंबाई कितनी है।

व्याकरण

➢ अशुद्ध वाक्यों का संशोधन

1. रिषि का सही विकल्प चुनिए
   (i) रिषी (ii) रिशी
   (iii) ऋषि (iv) रीषि
2. ब्रह्मण का सही विकल्प चुनिए
   (i) बराहमण **(ii) ब्राह्मण**
   (iii) ब्रामण (iv) बराहण
3. शरीमती का सही विकल्प चुनिए
   (i) श्रीमति **(ii) श्रीमती**
   (iii) श्रीमत (iv) शीरीमती
4. प्रर्दर्शिनी का सही विकल्प चुनिए
   (i) प्रिदर्शनी **(ii) प्रदर्शनी**
   (iii) प्रदर्शिनि
5. उदेश्य का सही विकल्प चुनिए
   (i) उद्देश्य (ii) उद्देष्या
   (iii) उद्देस्य
6. परीबारीक का सही विकल्प चुनिए- :
   (i) पारिवारिक (ii) परीबारीक
   (iii) परिवारिक
7. योस का सही विकल्प चुनिए
   (i) योग **(ii) योग्य**
   (iii) योग्या

8. शुद्ध वाक्य के विकल्प को चुनिए
(i) अपने को घर जाना है।
(ii) मुझे घर जाना है।
(iii) मैं घर जाना है।
(iv) हमारे को घर जाना है।

9. शुद्ध वाक्य के विकल्प को चुनिए
(i) सेब को काटकर नेहा को खिलाओ
(ii) नेहा का काटकर खिलाओ सेब
(iii) सेब को नेहा को काटकर खिलाओ
(iv) नेहा को सेब काटकर खिलाओ

10. शुद्ध वाक्य के विकल्प को चुनिए
(i) उनको आज आ जाना चाहिए।
(ii) उन्हें आज आ जाना चाहिए।
(iii) आज उन्हें आ जाना चाहिए।

लेखन-विभाग

सूचना

26 जुलाई 2020

दोहा गायन प्रतियोगिता के लिए सूचना

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि अन्तः विद्यालयी दोहा गायन प्रतियोगिता विद्यालय के सभागार में आयोजित है | इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों के नाम आमंत्रित हैं|

दिनांक - 30 जुलाई 20
समय - प्रातः 10 बजे
स्थान - विद्यालय सभागार
विषय - दोहा गायन

प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी अपना नाम 30 जुलाई 20 तक हिंदी साहित्य समिति के सचिव को दें |

हरीओम दूबे
सचिव
हिंदी साहित्य समिति

- **गतिविधि** – बांस के उपयोग के बारे में दस वाक्य लिखिए |